पटना ● शनिवार , 22 मार्च 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः73 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नगर निगम : 'डिजिटल मोतिहारी' ... 3 www. bordernewsmirror.com महिलाएं कभी बूढ़ी नहीं होतीं... 7

भारतीय रिसर्चर बदर खान को मिली बड़ी राहत

● डिपोर्टेशन पर रोक, अमेरिकी कोर्ट ने पक्ष में सुनाया फैसला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय रिसर्चर बदर खान सूरी के डिपोर्टेशन (देश से निकाले जाने) पर अमेरिकी अदालत ने रोक लगा दी है। वर्जीनिया कोर्ट की जज पेट्रीसिया टोलिवर गिल्स ने आदेश दिया कि सूरी को तब तक अमेरिका से नहीं निकाला जाएगा, जब तक अदालत इससे जुड़े आदेश जारी नहीं करती। अमेरिका के इमिग्रेशन अधिकारियों ने सोमवार रात भारतीय छात्र बदर खान सूरी को वर्जीनिया से गिरफ्तार किया था। सूरी पर

अमेरिका में हमास के समर्थन में प्रोपेगैंडा फैलाने और संगठन से जुड़ी आतंकी से रिश्ता रखने का आरोप है। सूरी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी का छात्र है। वह सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिश्चियन अंडरस्टैंडिंग में पोस्ट डॉक्टोरल फैलो के रूप में पढाई कर रहा है। वकील बोले- सूरी की पत्नी फिलिस्तीनी, इसलिए निशाना बने बदर खान सूरी के वकील ने उन पर लगे आरोपों को खारिज किया है। वकील ने अदालत में दायर एक याचिका में कहा कि सूरी को निशाना इसलिए बनाया जा रहा है, क्योंकि उनकी पत्नी एक फिलिस्तीनी हैं। उनकी गिरफ्तारी का मकसद फिलिस्तीनी अधिकारों का समर्थन करने वाले लोगों की आवाज को दबाना है। वकील ने अदालत में दाखिल किए गए दस्तावेज में कहा कि न तो विदेश मंत्री मार्को रुबियो और न ही किसी अन्य सरकारी अधिकारी ने आरोप लगाया है।

जल्द बढ़ेगी एमएलए-एमएलसी की सैलरी

● सैलरी बढ़ाने के लिए विधानसभा में बिल लाएगी कर्नाटक की सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों की सैलरी बढ़ सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विधानसभा में बिल लाकर जल्द ही इसे लागू किया जाएगा। राज्य सरकार कर्नाटक विधानमंडल वेतन, पेंशन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 लाने की तैयारी कर रही है। इस बिल में मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों के वेतन में 100 फीसदी तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इसके पारित होने पर एमएलए और एमएलसी की सैलरी दोगुनी हो जाएगी। मुख्यमंत्री का वेतन 75 हजार

रुपए से बढ़कर 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह हो जाएगा। विधान परिषद के सभापति और विधानसभा अध्यक्ष का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए करने का प्रस्ताव है। उपसभापति और उपाध्यक्ष का वेतन 60 हजार से 80 हजार रुपए किया जा सकता है। इनके अलावा नेता प्रतिपक्ष, सत्ता पक्ष और विपक्ष के चीफ व्हिप की सैलरी भी बढ़ेगी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में 31 विधायकों के पास 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। जिसके साथ राज्य भारत के सबसे अमीर विधायकों की सूची में सबसे ऊपर है।

चीन के खिलाफ अमेरिका का बड़ा ऐक्शन, झटका

● तेल रिफाइनरी पर लगाया प्रतिबंध भारत को रहना होगा सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए चीन की एक तेल रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाया है। यह रिफाइनरी हूतियों से जुड़े जहाजों से लगभग 50 करोड़ डॉलर का ईरानी तेल खरीदती थी। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को यह ऐलान किया। चीन ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उसने कहा है कि अमेरिका चीन और ईरान के बीच सामान्य व्यापार में बाधा डाल रहा है।

अमेरिका की यह कार्रवाई दिखाती है कि ग्लोबल एनर्जी मार्केट कितने जटिल रूप से भू-राजनीतिक संघर्षों से जुड़े हुए हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। उसे इन जटिलताओं को सावधानी से देखना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर अधिकतम दबाव बनाने की नीति फिर से शुरू की है। इसके तहत कई लोगों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें ईरान के पेट्रोलियम मंत्री भी शामिल हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह तेल ईरान के शैडो फ्लीट टैंकरों से ले जाया गया था। इनमें हूती और ईरानी रक्षा मंत्रालय से जुड़े जहाज भी शामिल थे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भी एक चीनी तेल टर्मिनल पर प्रतिबंध लगाए हैं।

टोल पर नहीं लगेगी लाइन, अब बनेगा सालाना पास

● नया सिस्टम लाने की तैयारी, नितिन गडकरी का है प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर टोल टैक्स के लिए फास्टैग की व्यवस्था लागू होने के बाद भी लंबी लाइनें देखी जाती हैं। अब इस समस्या से निजात के लिए केंद्र सरकार सालाना पास बनाने पर विचार कर रही है। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों का समय बचेगा और बेवजह उन्हें लंबी लाइनों में नहीं खड़ा होना होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर हमले सैटलाइट आधारित बैरियर फ्री टोल व्यवस्था लागू करना शुरू किया है। अभी यह पायलट

प्रोजेक्ट के तौर पर लागू है। यदि यह योजना कामयाब रही तो इसे भविष्य में विस्तार देने पर बात होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी घरौंदा, चोरयासी, नेमिली और द्वारका एक्सप्रेसवे पर अडवांस टोल व्यवस्था लागू हुई है। यहां पर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन लागू है। इससे लोगों को बिना रुके ही टोल से निकलने की सुविधा मिल रही है और फीस भी कट पा रही है। उन्होंने कहा कि हाईवेज पर जो टोल फीस ली जाती है, उसकी जानकारी प्लाजा पर विस्तार से दी गई है। इसके अलावा नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर भी यूजर फीस की जानकारी दी गई है। यह सवाल सांसद राजकुमार चाहर ने पूछा था, जिसके जवाब में नितिन गडकरी ने पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फिलहाल सैटलाइट आधारित टोल व्यवस्था की ओर बढ़ने की कोशिश है, लेकिन उसमें समय लगेगा। इसकी वजह यह है कि इसके लिए अतिरिक्त सैटेलाइट की जरूरत होगी।

उसके बिना वाहनों की वास्तविक पोजिशनिंग कर पाना मुश्किल होगा। ऐसे में उस प्रोजेक्ट पर फिलहाल विचार चल रहा है।

आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद देश के लिए हैं नासूर

● शाह बोले-ये हमें विरासत में मिले, हमने इसका मुकाबला किया ● 10 साल में बहुत कुछ बदला, मोदी सरकार के गिनाए बड़े काम ● आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई, की सर्जिकल स्ट्राइक

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में मोदी सरकार के 10 सालों के बड़े काम गिनाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में तीन बड़े नासूरों को उखाड़ फेंका। ये तीन नासूर थे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या, वामपंथी उग्रवाद और उत्तर पूर्व का उग्रवाद। गृहमंत्री ने आगे कहा, 2014 में सरकार बनाते समय हम कई सारे लेगेसी इश्यू मिले थे। अगर तीन बड़े नासूरों की बात की जाए तो उनके कारण देश की सुरक्षा, विकास और सार्वभौमिकता खतरे में आ गई थी। ये तीनों नासूर पिछले चार दशकों से देश की सुरक्षा-व्यवस्था में खलल डालते रहे। इनके कारण ही विकास की गति को अवरुद्ध हो रही थी। वामपंथी उग्रवाद की बात करते हुए अमित शाह ने कहा,ये तो तिरुपति से पशुपतिनाथ तक एक करने का सपना देखते थे. तीनों समस्याओं को एक साथ गिना जाए तो चार दशक में इनके कारण देश के 92 हजार नागरिक मारे गए। मोदी सरकार आने से पहले तक इनके उन्मूलन को कोशिश कभी नहीं की गई। इस काम को मोदी सरकार आने के बाद किया गया। आतंकियों का

जुलूस नहीं निकलता हमने कई ऐसे कदम उठाए जिसकी वजह से आतंकियों से भारतीय बच्चों के जुड़ने की संख्या करीब-करीब शून्य हो गई है। आतंकी जब मारे जाते थे, बड़ा जुलूस निकलता था। आज भी आतंकी मारे जाते हैं और जहां मारे जाते हैं, वहीं दफना दिए जाते हैं। प्रदर्शन करने वाले जेल में घर का कोई आतंकी बन जाता था और परिवार के लोग आराम से सरकारी नौकरी करते थे। हमने उनको निकालने का काम किया। आतंकियों के परिवार के लोग बार काउंसिल में बैठे थे और प्रदर्शन होने लगता था। आज वो श्रीनगर या दिल्ली की जेल में हैं।

सेना को मिलेंगी 307 हॉवित्जर तोपें, अब होगी और ताकतवर

● 54 हजार करोड़ की डिफेंस डील, केंद्र सरकार की मंजूरी ● पाकिस्तान और चीन बॉर्डर पर तैनात किए जाने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सेना की डिफेंस कैपसिटी बढ़ाने के लिए गुरुवार को दो बड़े फैसले लिए हैं। केंद्र सरकार ने 7,000 करोड़ की लागत से 307 एडवांस तोपें खरीदने को मंजूरी दे दी है, जिन्हें पाकिस्तान और चीन बॉर्डर पर तैनात किया जाएगा। साथ ही, रक्षा मंत्रालय ने 54,000 करोड़ की सैन्य खरीद को हरी झंडी दी। इसमें एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम, टी-90 टैंकों के नए इंजन और नौसेना के लिए वरुणास्त्र टॉरपीडो शामिल हैं। भारत में बनी, दुश्मनों पर भारी जैसा कि इसके नाम एडीएजीएस से जाहिर है कि यह टोड गन यानी ऐसी तोप है जिसे ट्रक से खींचा जाता है। हालांकि, यह गोला दागने के बाद बोफोर्स की तरह कुछ दूर खुद ही जा सकती है। इस तोप का कैलिबर 155 एमएम है। मतलब यह कि इस आधुनिक तोप से 155 एमएम वाले गोले दागे जा सकते हैं। एडीएजीएस को हॉवित्जर भी कहा जाता है। हॉवित्जर यानी छोटी तोपें। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध और उसके बाद तक युद्ध में बहुत बड़ी और भारी तोपों का इस्तेमाल होता था। इन्हें लंबी दूरी तक ले जाने और ऊंचाई पर तैनात करने में काफी मुश्किलें होती थीं। ऐसे में हल्की और छोटी तोप बनाई गई।

घर से कैश मिलने के मामले में जज वर्मा की मुश्किलें बढ़ीं

● सुप्रीम कोर्ट ने बैठा दी जांच, दिल्ली आवास से मिला था पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर पर लगी आग के दौरान मिली बड़ी रकम के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा ऐक्शन लिया है। कोर्ट ने जज के खिलाफ इन हाउस जांच शुरू कर दी है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाल ही में जज के दिल्ली स्थित आवास पर आग लग गई थी, जिसके बाद अधिकारियों को कथित तौर पर उनके घर में बेहिसाब नकदी मिली थी। जब यह मामला सरकार से होते हुए सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम तक पहुंचा तो जज यशवंत वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया। इस मामले के बाद कई वरिष्ठ वकीलों ने जज के खिलाफ जांच की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने भी कहा था कि कॉलेजियम को जज यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की गहन जांच करनी चाहिए और इन हाउस इन्क्वायरी भी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा था कि ट्रांसफर करना एक सामान्य बात है, कलंक नहीं है। मैं यह नहीं कह रहा कि भ्रष्टाचार ही होगा, क्योंकि जब किसी को कभी-कभी अनुकूल परिणाम नहीं मिल रहे होते हैं, तो वे साजिश भी रच सकते हैं। ऐसे में कॉलेजियम को पूरी जांच करनी चाहिए। त्वरित कार्रवाई करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की

अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने एक तत्काल बैठक की, जिसमें जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई, जो कि उनका मूल हाई कोर्ट है। ऐसा कहा गया है कि प्रारंभिक जांच शुरू करना केवल एक कदम था और कॉलेजियम इस संबंध में आगे की कार्रवाई कर सकता है। जस्टिस वर्मा का प्रस्तावित तबादला केंद्र द्वारा कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद लागू हो सकता है, जिसे अभी आधिकारिक तौर पर भेजा जाना है। आग बुझाने गए दिल्ली अग्निशमन विभाग के अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर बरामद की गई आधिकारिक राशि के बारे में अभी पता नहीं चल पाया है।

नीतिश कुमार का दिमाग खराब, बेटे को बनाएं सीएम

● राबड़ी देवी ने बिहार के मुख्यमंत्री को घेरा, लगाए कई आरोप ● तेजस्वी बोले-पीएम के लाडले ने राष्ट्रगान का अपमान किया

पटना (एजेंसी)। बिहार में राष्ट्रगान को लेकर विवाद बढ़ता दिख रहा है। विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष, सीएम नीतिश कुमार से इस्तीफे की मांग कर रहा है। उनका आरोप है कि सीएम ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। विपक्ष चाहता है कि सीएम सदन में माफी मांगें या अपने पद से इस्तीफा दे दें। इस बीच, विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी ने एक बड़ी मांग रख दी है। उन्होंने कहा है कि नीतिश कुमार ने बिहार को शर्मसार किया है। यह राष्ट्रगान के साथ-साथ पूरे देश का अपमान है। राबड़ी देवी ने यह भी कहा कि अगर नीतिश कुमार का दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना

चाहिए और अपने बेटे निशांत या किसी और को सीएम बना देना चाहिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतिश कुमार के हाथों में बिहार और यहां के लोग सुरक्षित नहीं हैं। बिहार के 14 करोड़ लोगों का भविष्य खतरे में है। विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सीएम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वे पूरे बिहार में नीतिश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे और उनका पुतला भी जलाएंगे। अगर नीतिश कुमार माफी नहीं मांगते हैं, तो विपक्ष राजभवन तक मार्च भी करेगा। राबड़ी देवी ने कहा है कि नीतिश कुमार ने बिहार को नीचा दिखाया है। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री ने बिहार को शर्मसार करने का काम किया है। यह राष्ट्रगान का अपमान तो है ही पूरे राष्ट्र का अपमान हुआ है। राबड़ी देवी ने ये भी कहा कि अगर नीतिश कुमार का दिमाग ठीक नहीं है तो इस्तीफा देकर अपने बेटा निशांत को कुर्सी सौंप दें।

किसानों ने पंजाब सरकार की मीटिंग का किया बहिष्कार

● विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेसियों ने कर दिया हंगामा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर से किसानों को जबरन हटाने को लेकर किसान पंजाब सरकार पर भड़के हुए हैं। पंजाब सरकार ने संयुक्त किसान मोर्चा के पंजाब चैप्टर और भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) की चंडीगढ़ में शाम 7 बजे मीटिंग बुलाई गई थी। मगर, बीकेयू उगराहां के साथ साथ एसकेएम ने भी सरकार से बातचीत करने से मना कर दिया। एसकेएम ने तो 28 मार्च को जबरी विरोध दिवस मनाने की घोषणा भी कर दी है, जिसके तहत राज्य के डीसी (डिप्टी कमिश्नर) को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। उधर बीकेयू

उगराहां के प्रधान जोगिंदर उगराहां ने कहा कि हमें यह नहीं पता कि शंभू-खनौरी बॉर्डर से कितने किसान हिरासत में लिए, वह कहां हैं। ऐसी स्थिति में हम मीटिंग नहीं कर सकते। किसानों पर कार्रवाई को लेकर शुक्रवार को पंजाब विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन कांग्रेस ने हंगामा किया। इस दौरान गवर्नर गुलाब चंद कटारिया अभिभाषण देते रहे तो कांग्रेस ने भी वॉकआउट कर दिया। वहीं खनौरी बॉर्डर को आज पूरी तरह से खोला जा सकता है। यहां से हरियाणा पुलिस ने कल, गुरुवार को बैरिकेडिंग हटा दी थी। पंजाब साइड हाईवे पर ट्रॉलियां होने की वजह से यहां कल ट्रैफिक शुरू नहीं हो पाया। इसके खुलने से जींद-संगरूर के रास्ते दिल्ली और पटियाला आने-जाने वालों को राहत मिलेगी। शंभू बॉर्डर की दोनों लेन गुरुवार को ही खोल दी गई थी। जिस वजह से पंजाब से हरियाणा और दिल्ली आने-जाने वालों को बड़ी राहत मिली है।

हिन्दुओं के अलावा कोई नहीं कर सकेगा तिरुपति मंदिर में काम

● आन्ध्र सीएम चंद्रबाबू नायडू बोले-दूसरों धर्म के लोगों को हटाओ

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि तिरुमाला-तिरुपति देवस्थानम यानी मशहूर तिरुपति मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाना चाहिए। शुक्रवार को मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद नायडू ने कहा कि अगर दूसरे समुदाय के लोग मौजूदा समय में वहां काम कर रहे हैं, तो उनकी भावनाओं का अनादर किए बिना उन्हें दूसरी जगहों पर शिफ्ट किया जाएगा। नायडू ने कहा, तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाना चाहिए। अगर दूसरे धर्म के लोग वर्तमान में काम कर रहे हैं, तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना उन्हें दूसरी जगहों पर बसाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायडू ने इसके साथ

ही अपनी उस भव्य योजना भी लोगों से साझा की, जिसके तहत देशभर के सभी राज्यों की राजधानियों में वेंकटेश्वर स्वामी का मंदिर बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भगवान वेंकटेश्वर की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए पवित्र धागा बांधा गया है। उन्होंने कहा कि कई भक्त विदेशों में भी ऐसे मंदिर स्थापित किए जाने की इच्छा रखते हैं। मंदिर के चारों तरफ यानी तिरुमाला की पहाड़ियों पर किसी भी तरह की कॉमर्शियल एक्टिविटीज की चर्चा करते हुए नायडू ने कहा कि पिछली सरकार ने मंदिर के निकट ही 35.32 एकड़ भूमि पर मुमताज होटल की स्थापना की मंजूरी दी थी जिसे उनकी सरकार ने रद्द कर दिया है। नायडू ने कहा कि तिरुमाला की सात पहाड़ियों के निकट किसी तरह की व्यवसायिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में किसी भी प्राइवेट पार्टी को व्यवसाय चलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि खान-पान सेवा के लिए जिन्हें भी व्यवसाय की मंजूरी मिली हुई है, वे केवल शाकाहारी व्यंजन ही परोसेंगे। नायडू ने परिवार के सदस्यों के साथ वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा की।

राबड़ी पर भड़के नीतीश कुमार: मुख्यमंत्री ने लालू-राबड़ी के शासनकाल पर किया पलटवार

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद में गुरुवार को बढ़ते अपराध पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच भिड़ंत हो गई। विपक्षी सदस्यों ने वेल में पहुंचकर हंगामा और नारेबाजी किया तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भिड़ गए। सीएम नीतीश अपनी जगह पर खड़े हुए और आरजेडी और बड़े भाई लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी पर तीखा हमला किया। इसी बीच राबड़ी देवी बोलने लगी तो सीएम आग बबूला हो गए। नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी के शासनकाल पर पलटवार किया।

राबड़ी पर भड़के नीतीश

नीतीश कुमार ने कहा कि मेरी बात सुन लीजिए। आपलोग आराम से बैठ जाइये। किसी की हत्या हुई है तो हमारी सरकार जांच करवाएगी, हम तो आज ही पूछेंगे। इस दौरान नीतीश कुमार ने राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इनके पति की सरकार थी। लेकिन बाद में इनको ही बैठा दिया। आजतक कभी किसी के लिए कुछ किया गया था।

इस बीच विपक्ष बिफर गया तो सीएम ने कहा कि बैठो ना काहे के लिए हंगामा कर रहे हो। नीतीश कुमार ने कहा कि आजतक एक काम किया था? हिंदू-मुस्लिम का कितना ज्यादा झगड़ा होता रहता था। ये लोग भड़काते रहते थे, कोई काम किया था? सब काम हमने किया है इसलिए इनलोगों के बोलने का कोई मतलब नहीं है। 19 साल से सारा काम हो रहा है। आप लोग बोलकर सिर्फ अपनी पब्लिसिटी करना चाहते हैं।

छोड़अ न तोरा कउची मालूम है?

नीतीश कुमार ने आगे कहा कि पहले क्या होता था सबको पता है। इसी बीच राबड़ी देवी अपनी बात कहने लगीं तो नीतीश कुमार ने कि अरे छोड़अ न तोरा कउची मालूम है। आप क्या थे? कौची (किसलिए) के लिए मुख्यमंत्री बने? आपके पति का सस्पेंशन हुआ तो आप सीएम बन गए। अरे घर का ही आदमी का ना हो रहा है। ई सब का कोई मतलब नहीं है। सब झूठ बात है।

राबड़ी ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने जमकर नीतिश सरकार पर निशाना साधा और कहा है कि बिहार में रोज-रोज हत्याएं हो रही हैं, बलात्कार हो रहा है। इसका सिलसिला थम नहीं रहा है और नीतीश कुमार अपने राज को सुशासन की सरकार कह रहे हैं। बिहार की जनता देख रही है कि किस तरह का हालत बिहार का बना हुआ है और नीतीश कुमार चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार पूरी तरह से फेल है। कानून व्यवस्था का हालत ऐसा है कि अपराधी अपराध करके खुलेआम भाग जाते हैं। राजधानी पटना में करोड़ों रुपया की लूट हो जाती है और पुलिस हाथ मलते रह जाती है। सत्ता के संरक्षण में ही अपराध हो रहा है, बलात्कार हो रहा है, हत्या हो रही है।

राष्ट्रगान के अपमान पर विपक्ष ने मांगा नीतीश का इस्तीफा

बीजेपी विधायक बोले–अपमान नहीं किया,कल राष्ट्रगान रुकवाकर स्टेडियम घूमने निकले थे मुख्यमंत्री

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में आज राष्ट्रगान के अपमान के मुद्दे पर सियासत सदन के बाहर से ही शुरू हो गई। विधानसभा और विधान परिषद के पोर्टिको में विपक्ष के नेताओं ने नारेबाजी कर सीएम नीतीश से इस्तीफे की मांग की। तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी हाथ में बैनर लिए नारेबाजी की। विपक्षी की नारेबाजी पर बीजेपी विधायक पवन जायसवाल ने कहा कि :सीएम ने राष्ट्रगान का अपमान नहीं किया है। उनको कुछ याद आ गया होगा।:

राष्ट्र गान ध्यान में नहीं होगा तो दीपक कुमार को टोक दिया। फिर से वो राष्ट्र गान की मुद्रा में आ गए। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं होता तो बोलते रहते हैं। ये राष्ट्र गान का अपमान नहीं है। विपक्ष का मानसिक संतुलन खराब हो गया है। उनका मेडिकल बुलेटिन जारी करना चाहिए।

राष्ट्रगान रुकवाकर स्टेडियम घूमने निकले थे मुख्यमंत्री

दरअसल, कल गुरुवार को सीएम पाटलिपुत्र खेल परिसर में सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का उद्घाटन करने पहुंचे थे। ष्टरूके पहुंचने के बाद राष्ट्रगान बजाया जाना था, लेकिन उन्होंने राष्ट्रगान को शुरू होने से पहले रुकवा दिया। उन्होंने मंच से इशारों में कहा, :पहले स्टेडियम का चक्कर लगाकर आते हैं, फिर शुरू कीजिएगा।: सीएम का संकेत मिलते ही मंत्री विजय चौधरी ने राष्ट्रगान बंद करा दिया। राष्ट्रगान रुकवाने के बाद वे स्टेडियम का चक्कर लगाने के लिए निकल गए। फिर कुछ देर बाद मंच पर लौट आए। फिर से राष्ट्रगान शुरू हुआ। इस दौरान नीतीश हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करते रहे। जब प्रधान सचिव दीपक कुमार ने यह देखा तो उन्होंने हाथ देकर रोकना चाहा। उन्हें सावधान मुद्रा में रहने का इशारा किया, लेकिन वह तब भी नहीं माने और पत्रकारों की तरफ देखकर प्रणाम करने लगे।

लालू बोले- बिहारवासियों, अब भी कुछ बचा है

सीएम नीतीश की इस हरकत पर लालू यादव ने एक्स पर लिखा, :राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। बिहारवासियों, अब भी कुछ बचा है?: वहीं, एमएलसीसुनील कुमार सिंह ने फेसबुक पर लिखा, :जिस तरह से आज हुजूर की ओर से राष्ट्रीय गान का घोर अपमान किया गया है, राज्य के सभी लोगों को इसकी कड़ी निंदा करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

24 साल पुराने हत्याकांड में पिता-पुत्र को आजीवन कारावास

■ भैंस बांधने के विवाद में महिला की गोली मारकर हुई थी हत्या, 3 रिहा

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। सासाराम में 24 साल पुराने हत्या मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रमोद कुमार पांडे की अदालत ने दो आरोपियों को दोषी करार दिया है। दोनों को आजीवन कारावास और 60-60 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बता दें की मामला 26 अक्टूबर 2001 का है। राजपुर थाना क्षेत्र के बलीगांव में गौशाला में भैंस बांधने को लेकर विवाद हुआ था। आरोपी त्रिभुवन चौधरी और उनके बेटे दिग्विजय चौधरी ने राइफल और कट्टा लेकर राजेंद्र प्रसाद सिंह के घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में राजेंद्र की भाभी राज कुमारी देवी की मौके पर ही मौत हो गई थी। अपर लोक अभियोजक रामकुमार तिवारी ने बताया कि इस मामले में कुल पांच लोगों पर मुकदमा चल रहा था। तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया गया। घटना के मुख्य आरोपी राजन चौधरी की पहले ही हत्या हो चुकी थी। अदालत में सात गवाहों की गवाही दर्ज की गई। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत दोषी पाया और सजा सुनाई।

ईडब्ल्यूएस की उम्र सीमा में छूट नहीं मिलेगी

■ नीतीश सरकार ने साफ किया आरक्षण पर रुख

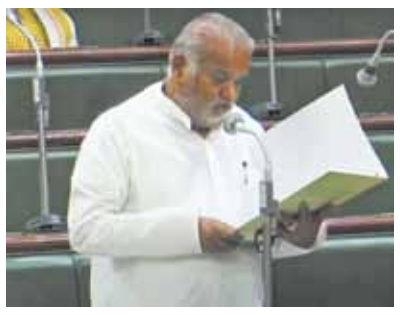

पटना, एजेंसी। बिहार की नीतीश सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण पर अपना रुख स्पष्ट किया है। राज्य में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की उम्र सीमा में कोई छूट नहीं मिलेगी। बिहार विधानसभा में प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि संविधान में 103वें संशोधन के तहत केंद्र सरकार कार्यालय द्वारा जारी ज्ञापन के बाद विभिन्न पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों तथा शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन में ईडब्ल्यूएस (ईडब्ल्यूएस) वर्ग के लिए राज्य में 10 प्रतिशत आरक्षण लागू है। केंद्र के ज्ञापन में इस वर्ग को उम्र सीमा में छूट देने का प्रावधान नहीं किया गया है, इसलिए राज्य सरकार की नियमावली में भी ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मंत्री श्रवण कुमार ने गुरुवार को सदन में जेडीयू विधायक डॉ. संजीव कुमार एवं अन्य के ध्यानाकर्षण के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस मामले पर निर्णय का अधिकार भारत सरकार को ही है। केंद्र सरकार अगर ईडब्ल्यूएस आरक्षण के अंदर उम्र सीमा में छूट देने के लिए संविधान में संशोधन करती है, तभी इस पर कोई विचार किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का कार्यालय ज्ञापन 31 जनवरी, 2019 को आया, जिसके आधार पर बिहार में सामान्य प्रशान विभाग ने नियमावली बनाई गई, जिनमें रिक्तियों और नामांकन में ईडब्ल्यूएस वर्ग को आरक्षण दिया गया है।

बिहार के सुपौल में एसिड अटैक, तीन लोग चपेट में आए

सुपौल , एजेंसी। बिहार के सुपौल में एसिड अटैक का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के महेशपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। जिसमें एक पक्ष द्वारा एसिड फेंकने की घटना सामने आई। इस हमले में तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। जिनमें से एक की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

सुपौल में एसिड अटैक : जानकारी के अनुसार, बुधवार की देर रात महेशपुर गांव में विवादित जमीन पर एक पक्ष द्वारा घर बनाया जा रहा था। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर एसिड फेंक दिया।

स्थिति गंभीर होने पर किया गया रेफर : एसिड अटैक में रविंद्र साह, अशोक साह और रोहित साह बुरी तरह झुलस गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीपरा में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया। डॉ। शैलेंद्र कुमार के मुताबिक एसिड के हमले से घायल रोहित साह को हालत गंभीर होने के कारण उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया गया।

लिखित में नहीं दिया गया है आवेदन : घटना की सूचना मिलते ही पीपरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पिपरा थानाध्यक्ष राजेश कुमार झा ने बताया कि, घटना की सूचना मिली है। लेकिन एसिड से घायल लोगों को नहीं देखे हैं। जख्मी लोग इलाज करवाने गए हुए है। अब तक इस मामले में आवेदन नहीं मिला है। आवेदन के आधार पुलिस जांच और आवश्यक कार्रवाई करेगी।

नीतीश को डॉक्टरी देख-रेख की जरूरत, रोहिणी ने कहा- सीएम की सेहत गंभीर चिंता की बात

पटना, एजेंसी। सेपक टकरा वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह वाली मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के वायरल वीडियो पर बिहार का सियासी पारा हाई हो गया है। वीडियो में नीतीश कुमार राष्ट्रगान के दौरान हंसते और हाथ जोड़ते देखे गए। हालांकि लाइव हिन्दुस्तान इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। राष्ट्रीय जनता दल(राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद सारण लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी और आरजेडी नेत्री रोहिणी आचार्या भी इस मामले में कूद पड़ी हैं। पिता और भाई के ट्वीट के बाद उन्होंने भी ट्वीट कर नीतीश कुमार की सेहत पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि कुछ तो गड़बड़ है।

सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए रोहिणी आचार्या ने लिखा है कि मुख्यमंत्री जी की दिमागी सेहत के साथ कुछ तो जरूर गड़बड़ है। राष्ट्रगान के दौरान राष्ट्रगान की मर्यादा के विपरीत किया गया आचरण , सदन में सत्र के दौरान निरंतर किए जाने वाले तरह-तरह के इशारे, दर्जनों दफा सार्वजनिक मंचों पर सरकारी कार्यक्रमों में की गयीं अजीबोगरीब हरकतें , अनेकों अमर्यादित - अभद्र और अश्लील वक्तव्य - बयान , बात-बात पर चीखना-चिल्लाना, उत्तेजित होना, तू-तड़ाक करना, विपक्ष के माननीय विधायकों-विधान पार्षदों, बिहार की पूर्व व् प्रथम महिला मुख्यमंत्री के लिए अनादर सूचक शब्दों का इस्तेमाल। इन सब बातों से से स्पष्ट है बिहार के माननीय मुख्यमंत्री जी की मानसिक स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। रोहिणी ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तत्काल गहन चिकित्सीय परामर्श और देख- ख की जरूरत है। मर्ज लाइलाज हो जाए इससे पहले समय रहते उचित इलाज हो। यही मुख्यमंत्री जी के साथ - साथ बिहार की सेहत के लिए भी बेहतर है। इससे पहले लालू यादव और तेजस्वी यादव ने सीएम के वीडियो पर तंज कसते हुए ट्वीट किया था। लालू यादव ने कहा कि राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान। उन्होंने सीएम की गतिविधि पर आपत्ति जताते हुए इसे राष्ट्रगान का अपमान बताया था। तेजस्वी यादव ने भी ट्वीट कर कहा कि कम से कम राष्ट्रगान का अपमान तो मत करिए।

होमगार्ड और पत्नी पर पड़ोसी ने किया चाकू से हमला :पति की हालत गंभीर

गोपालगंज , एजेंसी। गोपालगंज के थावे थाना क्षेत्र के विदेशी टोला गांव में एक पुराने विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया। जहां एक होमगार्ड जवान और उनकी पत्नी पर पड़ोसी ने चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान शर्मानंद रावत(55) और उनकी पत्नी अंजू देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जख्मी शर्मानंद की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें सिवान के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार विवाद की जड़ एक माह पहले स्कूल में हुई घटना है। दोनों पक्षों की बेटियां एक ही स्कूल में पढ़ती हैं। एक दिन पानी छिड़कने को लेकर बच्चियों में झगड़ा हुआ, जो बड़ों तक पहुंच गया। मामला थाने तक गया, लेकिन समझौते से सुलझ गया।

समस्तीपुर में गैस सिलेंडर में लीक से लगी आग:बुजुर्ग महिला की जलकर हुई मौत

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के हंसौली गांव के वार्ड पांच मोहल्ला में गुरुवार शाम गैस सिलेंडर लीक होने से एक घर में आग लग गई। अगलगी कि इस घटना में एक बुजुर्ग महिला की भी जलकर मौत हो गई। वहीं घर का सारा सामान भी जलकर खाक हो गया। हल्ला होने पर जुटे आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाया। मृत महिला की पहचान गांव के स्वर्गीय इतवारी पासवान की पत्नी देवकी देवी (80) के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर पहुंची उजियारपुर थाने की पुलिस ने महिला का शव जब्त कर गुरुवार रात पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। ?

पति की मौत हो चुकी है, बेटा परदेश में

घटना के संबंध में गांव के राकेश कुमार ने बतलाया कि बुजुर्ग महिला अकेले ही गांव में रहती थी। पति की मौत हो चुकी है जबकि बेटा परदेस में रहता है। लोगों ने बताया कि महिला शाम में खाना बना रही थी इसी दौरान गैस सिलेंडर लीक कर गया और ब्लास्ट हुआ । जिससे घर में भी आग लग गई । बुजुर्ग महिला की मौत हो गई । आसपास के लोगों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी उजियारपुर थाने की पुलिस को दी। इसके बाद पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को सदर अस्पताल भेजा है। ? उधर अगलगी की इस घटना में बुजुर्ग महिला के घर में रखा कपड़ा अनाज आदि भी चल कर खाक हो गया।

क्या बोली पुलिस

उजियारपुर थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बतलाया गैस सिलेंडर लीक होने से महिला की जुलस कर मौत हुई है। इस घटना में महिला के घर में भी आग लग गई थी जिसे ग्रामीणों के सहयोग से बुझाया गया। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है घटना को लेकर एक जूडी केस दर्ज की जा रही है महिला के घर में कोई नहीं रहता था।

अब सीतामढ़ी में 1522 शिक्षकों पर एक्शन, जिला शिक्षा पदाधिकारी ने रोका वेतन

सीतामढ़ी , एजेंसी। बिहार में शिक्षकों पर एक्शन जारी है। इसी कड़ी में शिक्षा विभाग ने सीतामढ़ी जिले के विभिन्न शिक्षकों के ऊपर कार्रवाई करते हुए उनके वेतन भुगतान पर रोक लगा दिया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सभी शिक्षकों को नोटिस और शो कॉज भी जारी किया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि जिले के विभिन्न प्रखंड के 1522 शिक्षकों ने शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है।

सीतामढ़ी में 1522 शिक्षकों पर गाज : जिले के सबसे अधिक बाजपट्टी प्रखंड के 107 तो बथनाहा प्रखंड 71 शिक्षकों पर शो कॉज का नोटिस जारी किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रमोद कुमार साहू ने बताया कि बीते 18 मार्च को एक समीक्षा की गई जिसमें पाया गया कि शिक्षा विभाग के ही पोर्टल पर 1522 शिक्षकों के द्वारा ई पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं की गई।

50 प्रतिशत शिक्षकों ने ही दिया जवाब : जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रमोद कुमार साहू ने बताया कि 1522 शिक्षकों में से तकरीबन 50प्रतिशत शिक्षकों ने ही अब तक स्पष्टीकरण का जवाब दिया है। समीक्षा की जा रही है और आगे शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जो शिक्षक शिक्षा विभाग के गाइडलाइन के अनुसार काम नहीं करेंगे समय पर विद्यालय नहीं पहुंचेंगे उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। इसको देखते हुए सभी को नोटिस किया गया है और जवाब मांगा गया है। तत्काल सभी शिक्षकों के वेतन पर रोक लगा दिया गया है और 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा गया है।

बहाना बनाने पर शिक्षा विभाग का एक्शन : बता दें कि प्रदेश के सभी जिलों में यह एक्शन देखने को मिल रहा है। पश्चिम चंपारण से लेकर पटना तक इससे हड़कंप मचा है। दरअसल यह पाया गया है कि कई शिक्षक नेटवर्क का बहाना बनाकर ऑनलाइन हाजिरी नहीं बनाते हैं। इसको देखते हुए शिक्षा विभाग ने एक्शन शुरू कर दिया है।

केंद्रीय मंत्री के चचेरे मामा को बदमाशों ने मारी गोली

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में गुरुवार रात मुजफ्फरपुर सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ। राजभूषण चौधरी के चचेरे मामा मालिक सहनी को गोली मार दी। घटना चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी भगवती स्थान के समीप की है। मालिक सहनी को इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, मालिक सहनी का कुंभी भगवती स्थान चौक के पास मिठाई, सुधा के प्रोडक्ट और कोल्ड ड्रिंक की दुकान है। दो दिन पहले मालिक सहनी का बेटा विक्रम जब दुकान पर था तो गांव के ही कुछ युवक आए और सामान लिया, जिसमें पैसे को लेकर दोनों में विवाद हुआ था।

एक बाइक पर सवार थे तीन बदमाश : बीते रात करीब 10:00 बजे मालिक सहनी जब दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक बाइक पर सवार होकर तीन बदमाश आए और तीनों दुकान के बाहर रुके। बाइक पर पीछे बैठे दो युवक ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। एक गोली मालिक साहनी के दाएं पैर में लगी, जबकि बाकि गोलियां दुकान के काउंटर और फ्रिज में लगी है। गोली की आवाज सुनकर जब तक लोग दौड़े, तब तक सभी बदमाश फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना घायल के परिजन और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी स्थिति सामान्य है।

शिक्षकों को हाजिरी में लापरवाही पड़ी भारी, मसौढ़ी के 185 गुरुजी को शोकॉज

पटना, एजेंसी। ई-शिक्षा कोष की ऑनलाइन हाजिरी में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर शिक्षा विभाग सख्त एक्शन लेने की तैयारी में है। इस मामले में डीईओ के आदेश पर उन सभी विद्यालय हेडमास्टर को स्पष्टीकरण जारी किया गया। ऑनलाइन हाजिरी नहीं बनने पर मसौढ़ी अनुमंडल में कुल 185 शिक्षकों पर शोकॉज जारी किया गया है।

185 शिक्षकों से शोकॉज: डीईओ ने चेतावनी दी है कि अगर हाजिरी अपडेट नहीं की गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल पिछले 19 मार्च को मसौढ़ी अनुमंडल में 185 शिक्षकों ने ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं बनाया। जिसमें मसौढ़ी प्रखंड में 75 शिक्षक, धनरूआ प्रखंड में 72 शिक्षक और पुनपुन प्रखंड में 38 शिक्षक शामिल हैं। ऐसे जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने इन सबों को अनुपस्थित करते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से अनुपस्थित शिक्षकों की अधतन स्थिति के बारे में 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट मांगा है।

1111 शिक्षकों का अटेंडेंस अपडेट नहीं: शिक्षा विभाग के द्वारा शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस बनाने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। ऐसे में ई शिक्षकों के माध्यम से सभी शिक्षक ऑनलाइन अटेंडेंस बनाते हैं। पूरे जिले में 1111 शिक्षक ऐसे पाए गए हैं जिनकी हाजिरी ई-शिक्षा कोष एप पर अपडेट नहीं हो रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने इस मामले में सख्ती दिखाई है। उन्होंने संबंधित शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों से जवाब मांगा है।

विभाग ने मांगी पूरी रिपोर्ट: डीईओ ने सख्त चेतावनी दी गई है कि सभी शिक्षक प्रत्येक दिन ई शिक्षा कोष के माध्यम से ऑनलाइन अटेंडेंस बनाएं। विद्यालय में पठन-पाठन के दौरान शिक्षक अनुपस्थित हैं या नहीं है इसके बारे में अद्यतन जानकारी की पूरी तरह से रिपोर्ट मांगी गई है।

सरकार ने सहूलियत दी तो उठाने लगे फायदे

दरअसल, विद्यालय के शिक्षकों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों हाजिरी बनाना है। ऐसे में शिक्षक सरकार के इस आदेश का भरपूर दुरुपयोग कर रहे हैं। शिक्षा विभाग ने कुछ दिन पहले लेटर जारी किया था कि नेट से या किसी टेक्निकल प्रॉब्लम से अगर शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी नहीं लगा पाते हैं तो शिक्षक ऑफलाइन भी हाजिरी लगा सकते हैं। जिससे उनकी सैलरी नहीं कटेगी।

मोबाइल नेटवर्क का बना रहे बहाना : विभाग के इस लेटर का शिक्षक भरपूर फायदा उठा रहे हैं। सूत्रों की माने तो ऑफलाइन हाजिरी लगाकर शिक्षक विद्यालय छोड़कर गायब हो जा रहे हैं। बोल दिया जाता है कि मोबाइल का नेटवर्क काम नहीं कर रहा है। शिक्षक ऑनलाइन ई-शिक्षा कोष पर हाजिरी नहीं बना रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

एमएस कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य प्रो. मृगेन्द्र कुमार का प्राचार्य के लिए हुआ चयन

बुस्टा इकाई ने सम्मानित कर दी बधाई

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग, पटना द्वारा दिनांक- 20/03/2025 को प्राचार्य नियुक्ति का रिजल्ट जारी किया गया। आयोग ने 156 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया था जिसके बाद अंतिम रूप से 116 चयनित प्रचार्यों की मेधा सूची आयोग ने जारी की है। इस सूची के अंतर्गत मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के प्रभारी प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार का चयन भी प्राचार्य के लिए हुआ है। इस अवसर पर 'बुस्टा'(BUSTA), मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी इकाई द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया और बधाई दी गई। मौके पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्रोफ़ेसर एम.एन. हक़, प्रो. इक़बाल हुसैन और मुंशी सिंह महाविद्यालय की 'बुस्टा' इकाई के अध्यक्ष डॉ.ए.के. रंजन, सचिव डॉ. मयंक कपिला, सयुंक्त मयंक डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान, कोषाध्यक्ष अमरजीत कुमार चौबे, डॉ. मो. मशहूर आलम, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजू बाला, डॉ. गौरव भारती व अन्य शिक्षक कर्मी मौजूद थे। सभी शिक्षकों एवं इकाई के सदस्यों ने प्रो. मृगेंद्र कुमार को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि उनकी नियुक्ति मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी में ही प्राचार्य के रूप में हो जिससे महाविद्यालय को उनके कुशल नेतृत्व का लाभ मिल सके। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

जलवायु परिवर्तन व आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी। सेलस्फोर्स और बाल रक्षा भारत- सेव द चिल्ड्रेन द्वारा मोतिहारी सदर प्रखंड के बरदाहा पंचायत के बरदाहा और सरैया गांव में जलवायु परिवर्तन और भविष्य की आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत के स्थानीय लोगों को आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और इसकी रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। बाल रक्षा भारत के स्टेट इंचार्ज पीयूष कुमार ने जानकारी दी कि 2024 में आई बाढ़ से प्रभावित 550 परिवारों को राहत सामग्री प्रदान की गई। इन परिवारों को राशन किट, आपातकालीन शेल्टर और स्वच्छता किट वितरित की गई। इसके अलावा 400 परिवारों को पारिवारिक आपदा प्रबंधन किट भी दी गई, जिससे वे भविष्य में आने वाली किसी भी आपदा के लिए तैयार रह सकें। यह कदम स्थानीय समुदाय के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि बरदाहा पंचायत में हर साल बाढ़ आने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

स्थानीय मुखिया मोहन सहनी, सरपंच मुरारी सहनी और पंचायत समिति सदस्य राजेश सहनी ने बाल रक्षा भारत और सेलस्फोर्स द्वारा प्रदान की गई सामग्री की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सामग्री न केवल गुणवत्तापूर्ण है, बल्कि इनकी मदद से बाढ़ प्रभावित परिवारों को समय पर राहत मिल सकी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कार्यक्रम निरंतर चलता रहेगा और भविष्य में भी इस प्रकार के सहयोग की आवश्यकता बनी रहेगी। उन्होंने कहा, "हम लोग दोनों संस्थाओं के आभारी हैं, जिन्होंने इस मुश्किल वक्त में हमारी मदद की और आने वाले समय में हमें उम्मीद है कि यह सहयोग जारी रहेगा। बरदाहा पंचायत में प्रतिवर्ष बाढ़ का सामना करना पड़ता है और ऐसे समय में बाल संरक्षण व जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए जो कार्य किया जा रहा है, वह हमारे समुदाय के लिए बहुत मूल्यवान है। इस कार्यक्रम में बाल रक्षा भारत के नवीन शुक्ला, पीयूष कुमार, हामिद रजा, सत्य प्रकाश और राजू पटेल सहित कई सामुदायिक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। इन कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्थानीय समुदाय को आपदा प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। यह कार्यक्रम न केवल आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के बारे में जानकारी देने का एक महत्वपूर्ण कदम था, बल्कि स्थानीय समुदाय को आपदाओं के प्रभाव से बचने के लिए आवश्यक सामग्री भी प्रदान की गई। इस प्रकार के सहयोग और जागरूकता कार्यक्रम न केवल प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करते हैं, बल्कि भविष्य में संभावित आपदाओं से निपटने के लिए उन्हें तैयार भी करते हैं। यह पहल एक मॉडल बन सकती है, जो अन्य क्षेत्रों में भी जलवायु परिवर्तन और आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सके।

नगर निगम : 'डिजिटल मोतिहारी' की स्वागत करू या करू विलाप..?

बीएनएम। मोतिहारीः सागर सूरज

मोतिहारी नगर निगम क्षेत्र मे इलेक्ट्रॉनिक सर्वे की धमक के साथ ही एक ओर जहां शहरवासी "डिजिटल मोतिहारी" की स्वागत कर रहे है, वही दूसरी ओर एक वर्ग इस सर्वे के नकारात्मक परिणामों को लेकर संशय की स्थिति मे है। बताया गया कि नगर निगम भले ही स्वक्षता मामले मे बेहतर कार्य कर रहा है, परंतु कई ऐसी सुविधाये है, जिससे नगर निगम वासी आज भी वंचित है। इस नगर निगम क्षेत्र मे आधे से अधिक ऐसे क्षेत्र है, जो गरीब किसानों और मजदूरों से जुड़े है, उनके खाली जमीन और घरों पर भारी टैक्स निर्धारित होने जा रही है, नतीजतन आम लोगों मे पनपती आक्रोश आगामी चुनाव मे विधायक और पार्षदों के लिए समस्या का कारण बन सकता है। इसी बीच इलेक्ट्रॉनिक सर्वे को लेकर कहा जा रहा है कि प्रत्येक घरों पर एक 'क्यू आर कोड' चिपकाया जाएगा और आप खुद से अपना टैक्स नगर निगम को दे सकते है। लेकिन आपका टैक्स निगम नियमों के अनुसार कई गुणा बढ़ सकता है, जो शहर वासियों के लिए चिंता का विषय है । सबसे बड़ी बात है कि बिहार मे पहली बार मोतिहारी मे शुरू हो रहे इस सर्वे को लेकर लोगों का सवाल है कि इसे राजधानी पटना मे पहले शुरू करना चाहिए था। पटना मे सफल प्रयोग के बाद इसे मोतिहारी जैसे छोटे शहर मे शुरू करना चाहिए ताकि इसके अच्छे और बुरे परिणामों से अवगत हुआ जा सके। राजधानी और कमिश्नरी मे भी यह सर्वे नहीं शुरू हुआ, लेकिन मोतिहारी मे शुरू होने जा रहा है, जो सवालों मे है । इस सर्वे को अंजाम तक पहुँचने को लेकर अन्य राज्यों से करीब 250 कर्मी मोतिहारी लाए गए है और उनके प्रशिक्षण की तैयारी है, इन सभी कार्यों मे कई करोड़ रुपये खर्च होने की बात कही जा रही है। नगर निगम के कई कर्मी जैसे टैक्स दरोगा आदि वर्ड सदस्यों के सहयोग से धीरे- धीरे इस सर्वे को अंजाम तक पहुंचा सकते थे, परंतु बाहर से बुलाए गए कर्मियों पर हो रहे व्यर्थ के खर्चे को लेकर भी सवाल है। पूर्व मे नगर परिषद अध्यक्ष प्रकाश अस्थाना के समय भी सर्वे का प्रयास हुआ था, परंतु यह शुरू ही नहीं हो सका। कई तरह के वैधानिक समस्याए आड़े आ रही थी। बताया गया कि नगर निगम क्षेत्र बनने के समय आधी आबादी आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े किसान और मजदूर लोग है, पहले पंचायत और देहाती क्षेत्रों से आते है । आरोप है कि नगर निगम के निर्माण के पीछे भी राजनीतिक उद्देश्यों को ध्यान मे रखा गया था। अगर कर बढ़ा तो लोग आंदोलित हो सकते है। वार्ड 22 के वार्ड पार्षद एहतेशामूल हक उर्फ चुनचुन ने कहा कि इधर नगर निगम मे बोर्ड की बैठक नहीं हुई है । जबकि अखबार के खबरों के अनुसार एक बोर्ड की बैठक हुई है, जिसमे सड़कों के निर्माण को लेकर चर्चा हुई। अगर बोर्ड की बैठक होती तो हम लोगों को सूचना जरूर मिलती। मेरी जानकारी मे यह सशक्त स्थायी समिति की बैठक थी। जानकारी के अनुसार पहला सर्वे देहाती क्षेत्रों से होगा। पूरे नगर निगम क्षेत्र मे होल्डिंग का पुनः मूल्यांकन होना है, जाहिर है सबों की होल्डिंग टैक्स मे भारी बढ़ोतरी हो सकती है। सर्वे का सबसे बड़ा फायदा शहरवासियों को ये है की 'क्यूआर कोड' उनके घर पर लग जाएगा, जिससे वे कर संग्राहकों का इंतज़ार किये बगैर अपना कर मोबाईल से जमा कर सकते है और लेट फाइन से बच सकते है।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 70 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी के द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें भूमि विवाद, अतिक्रमणवाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। आज के कार्यक्रम मे जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण, उप विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, सदर अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी, अमरेश कुमार सहित सभी वरीय उप समाहर्ता एवं अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

मत्स्य प्रसार योजनान्तर्गत एक दिवसीय मत्स्य प्रत्यक्षण-सह-प्रशिक्षण का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के भवानीपुर जिरात स्थित जिला मत्स्य कार्यालय के प्रांगण में एक दिवसीय मत्स्य प्रत्यक्षण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी डॉ. नूतन के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य विकास पदाधिकारी, विभिन्न प्रखंडो से आए मत्स्य पालकों का स्वागत किया गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा मत्स्य पालकों के लिए केसीसी, राज्य योजना एवं केंद्र योजना की विस्तार से जानकारी दी गई।

बायोफ्लॉक 07 टैंकः योजना का मुख्य उद्देश्य कम वर्षापात एवं पानी की कमी वाले क्षेत्र में यांत्रिक रूप से नियंत्रित तकनीक से सघन मत्स्य पालन को बढाना है साथ ही पारंपरिक मत्स्य पालन की तुलना मे इस तकनीकी से कम जगह एवं कम पानी मे भी अधिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त की जा सकती है। बायोफ्लॉक टैंक इनटेनसीव कल्चर में 5000 वर्ग फीट टैंक में 6 माह में 4 टन का उत्पादन लिया जा सकत है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत बायोफ्लॉक टैंक का इकाई लागत 7.50 लाख रू प्रति यूनिट निर्धारित है। प्रधानमंत्री मत्स्य योजना के तहत आवेदन करने पर अन्य वर्ग के व्यक्तियों को 40 प्रतिशत एवं महिला किसी भी वर्ग के हो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को 60 प्रतिशत का सब्सिडी देय होगा।

पुनः परिसंचरण मत्स्य पालन तकनिकी (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, RAS): योजना का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक मत्स्य पालन की तुलना मे इस तकनीक से कम जगह एवं कम पानी में भी अधिक मत्स्य उत्पादन की जा सकती है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत आरएएस का इकाई लागत 7.50 लाख रू प्रति यूनिट निर्धारित है। प्रधानमंत्री मत्स्य योजना के तहत आवेदन करने पर अन्य वर्ग के व्यक्तियों को 40 प्रतिशत एवं महिला किसी भी वर्ग के हो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को 60 प्रतिशत का सब्सिडी देय होगा।

जिलाधिकारी ने ग्रामीण विकास के कार्यों की समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त शंभू शरण पांडे के साथ ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा के दौरान पंचायत सरकार भवन के संबंध में बताया गया कि जिले में पंचायत सरकार भवन का निर्माण भवन निर्माण विभाग एलएईओ एवं मुखिया के द्वारा कराया जा रहा है। जिला में 52 पंचायत सरकार भवन ऐसे हैं जिसका निर्माण ग्राम पंचायत के मुखिया के द्वारा कराया जा रहा है। उप विकास आयुक्त के द्वारा बताया गया कि इस माह के अंत तक इन सभी के पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है और इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है। भवन निर्माण विभाग के द्वारा भी पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया जा रहा है जहां कहीं भी जमीन संबंधी विवाद है उसे पर जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को संबंधित अंचल एवं थाना के साथ संबंध में बनाकर भूमि विवाद को समाप्त करने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को पर्यवेक्षण करने का भी निर्देश दिया गया। स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य (laco)द्वारा कराये जा रहे पंचायत सरकार भवन में 10 मामले ऐसे हैं जहां पर चिह्नित भूमि अतिक्रमित है। इस संबंध में संबंधित अंचल अधिकारी को एक सप्ताह के अंदर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त के द्वारा बताया गया कि सभी पंचायतो में खेल के मैदान के निर्माण के कार्य में काफी प्रगति आई है। अभी तक 40 खेल के मैदान को पूर्ण कर लिया गया है। जिले में 415 खेल के मैदान बनाए जाने हैं। उप विकास आयुक्त ने कहा कि 66 खेल के मैदान ऐसे हैं जहां अंचलाधिकारी के स्तर से भूमि संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। उनसे एक सप्ताह के अंदर आनापत्ती प्रमाण पत्र उपलब्ध करा देने की मांग की गई है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि पंचायत स्तर पर बनाए जा रहे खेल मैदान को आगामी 5 अप्रैल तक पूर्ण करा देने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर लाइट योजना की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत राज पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिले में प्रथम और द्वितीय चरण के 90% से अधिक सोलर लाइट का इंस्टॉलेशन कर दिया गया है। प्रथम और द्वितीय चरण अंतर्गत कुल 27490 सोलर लाइट के लक्ष्य के विरुद्ध 25280 सोलर लाइट को लगा दिया गया है। तीसरे चरण के अंतर्गत भी 15790 सोलर लाइट लगाने का लक्ष्य प्राप्त है। इस संबंध में चार एजेंसियों को कार्यादेश निर्गत कर दिया गया है। एजेंसियों के द्वारा अभी सोलर लाइट सामग्री नहीं गिराया गया है। इस संबंध में निर्देश दिया गया कि सोलर लाइट से संबंधित वेयरहाउस चिन्हित कर दिया जाए जहां पर कार्यकारी एजेंसी अपना सामान रखेगी। बैठक में जिलाधिकारी के साथ उप विकास आयुक्त शंभू शरण पांडे, अनुमंडल पदाधिकारी सदर श्वेता भारती, जिला पंचायत राज पदाधिकारी राम जन्म पासवान,निदेशक डीआरडीए जयराम चौरसिया एवं डॉक्टर कुंदन कुमार सहित ग्रामीण विकास के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस पर महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

मुख्य वक्ता के रूप में एमजीसीयूबी से डॉ. शशिकांत राय रहे उपस्थित

» **जल बिना जीवन है अधूरा- प्राचार्य प्रो.(डॉ.) पंकज कुमार**

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. एवं रसायनशास्त्र विभाग के तत्वाधान में विश्व जल दिवस के पूर्व संध्या पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त संगोष्ठी का विषय था, 'हर बूंद कीमती है : जल संरक्षण के लिए सतत समाधान' का आयोजन किया गया। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के डॉ. शशिकांत राय मुख्य वक्ता के रूप में शामिल रहे जो जाने-माने वैज्ञानिक भी है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) पंकज कुमार ने किया। मुख्य वक्ता का स्वागत शॉल व बुके देकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विषय प्रवेश महाविद्यालय प्राचार्य ने किया। प्राचार्य ने बताया कि "क्षितिज जल पावक गगन समीरा' में जल पाँच तत्वों में अपना बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया कि जल बिना जीवन अधूरा है। इस विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ .शशिकांत राय ने पीपीटी के माध्यम से अपने वक्तव्य को दिया जो बहुत ही सारगर्भित और विषय के विभिन्न पहलुओं को सामने रखने वाला था। मंच संचालन राजनीति विभाग के डॉ. विपिन दुबे ने किया। इस दिवस पर महाविद्यालय की छात्राओं में कीर्ति सिंह ने जल संरक्षण पर पोस्टर बनाया और उसने जल संरक्षण कैसे करना है इसको दर्शाया। पलक सिंह ने 'जल के स्रोत' पर पोस्टर बनाया और अदिति कुमारी ने 'सेव वाटर सेव लाइफ' पर पोस्टर बनाया। अनीता कुमारी ने जल ही जीवन पर अपना पोस्टर बनाया जो बहुत ही सुंदर थे और सभी ने पसंद किया। महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं में डॉ. किरण कुमारी, डॉ. इरशाद आलम, डॉ. नीतू , डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. मनोरमा राय, डॉ. आकृति रानी, डॉ. चंदा कुमारी, डॉ. करिश्मा नाज, डॉ. अंजली कुमारी, डॉ. विपिन दुबे, डॉ. अमित कुमार तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में भास्कर गुप्ता, सोनी कुमारी, लवली सिंह, नेहाल, अमन कुमार, ज्ञान कुमार, प्रकाश कुमार पांडेय, अभय कुमार इत्यादि उपस्थित रहे। छात्राओं में पलक, अदिति, कीर्ति, रुचि, रोशनी, आरती, सौम्या, चांदनी, नीतू, आंचल इत्यादि उपस्थित रही। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कुमारी रौशनी विश्वकर्मा ने किया।

परिवार नियोजन कार्यक्रम पर एएनएम, जीएनएम, सीएचओ का हुआ ग़ैरआवासीय प्रशिक्षण

स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले लाभार्थियों को बताए परिवार नियोजन के अस्थायी व स्थायी विधियों की दें जानकारी- एसीएमओ

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के स्वास्थ्य केंद्रों के चयनित एएनएम, जीएनएम, सीएचओ और आरएमएनसीएचए काउंसलरों का बैच के अनुसार दो दिवसीय ग़ैरआवासीय प्रशिक्षण सदर अस्पताल स्थित एएनएम स्कूल कैंपस में आयोजित किया गया। इस सम्बन्ध में जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जीडी तिवारी ने बताया की इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य काउंसलिंग स्किल्स और परिवार नियोजन सेवा की बास्केट ऑफ़ चॉइस के बारे में सभी को मास्टर ट्रेनर बनाना है ताकि स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले लाभार्थियों को परिवार नियोजन के अस्थायी व स्थायी विधियों की जानकारी हो और जिले की लगातार बढ़ती जनसंख्या दर पर रोक लग सकें। एसीएमओ ने कहा की प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को परिवार नियोजन के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी ढंग से सेवाएं प्रदान कर सकें। इस पहल का लक्ष्य जिले का कुल जन्म दर (टीएफआर) घटाना है, जिससे समुदाय में परिवार नियोजन सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़े और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी आए और उनके जीवन शैली में सुधार हो। इस प्रशिक्षण में पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार, पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर राणा फिरदौस, अरविन्द सिंह के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिला स्वास्थ्य समिति के डीसीएम नंदन झा ने कहा की यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है और जिले में बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को सुनिश्चित करने में सहायक होगा। मौके पर एसीएमओ जीडी तिवारी, डीसीएम नंदन झा,पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार, पिरामल फाउंडेशन के डीसी मुकेश कुमार, प्रोग्राम लीडर राणा फिरदौस, अरविन्द सिँह, परिवार नियोजन सलाहकार असगर अली, सुधीर कुमार, अनिल मंडल उपस्थित थे।

बिहार दिवस आयोजन को लेकर पूर्ण हुई सभी तैयारियां

बीएनएम। मोतिहारी

आज से 113 वर्ष पूर्व 22 मार्च 1912 को बंगाल से अलग होकर बिहार एक प्रांत के रूप में अस्तित्व में आया। नए प्रांत के गठन के उपलक्ष में 22 मार्च को बिहार दिवस का आयोजन एक उत्सव के रूप में किया जाता है। जिसमें बिहार के गौरवशाली इतिहास और परंपरा को जानने और सीखने के साथ-साथ भविष्य के लिए एक नई दिशा तय करने का अवसर प्राप्त होता है। इस वर्ष बिहार दिवस की थीम ""उन्नत बिहार-विकसित बिहार"" रखा गया है। पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन बिहार दिवस को बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित कर रहा है जिसमें जिला स्तर से लेकर प्रखंड एवं विद्यालय स्तर पर भी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई है। जिला स्तर पर 7:50 बजे पूर्वाह्न में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। 8:00 बजे सुबह में समाहरणालय परिसर से स्कूली बच्चों की प्रभात फेरी निकाली जाएगी। 8:30 बजे वृक्षारोपण का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। दिन में 11:00 बजे से 1:00 बजे अपराह्न तक पेंटिंग प्रतियोगिता, 1:00 से 3:00 बजे अपराह्न तक क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता तथा 3:00 से 5:00 बजे अपराह्न तक रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। संध्या 5:00 बजे से शहर के राजा बाजार स्थित बापूधाम ऑडिटोरियम में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसकी सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। जिलाधिकारी के द्वारा बिहार दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में जिलावासियों से बढ़ चढ़ कर भाग लेने की अपील की गई है। जिलाधिकारी के द्वारा पूर्व के बैठकों में सभी जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि बिहार दिवस के अवसर पर सभी कार्यालय की साफ-सफाई सहित उसे सजाने संवारने का कार्य करेंगे। बिहार दिवस के अवसर पर अनुमंडल, प्रखंड एवं विद्यालय स्तर पर भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने के मामले में एक गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। पुलिस ने थाना क्षेत्र के गोबिंदा पुर के एक युवक को सोशल मीडिया पर हथियार लहराने के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी उस गांव का चंदन कुमार पिता रमाकांत राय है। बताया जाता है कि युवक ने सोशल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन किया था। इसकी सूचना एसपी स्वर्ण प्रभात को लगी। तुरकौलिया पुलिस को आवश्यक कर्रवाई का निर्देश दिया। निर्देश मिलते ही पुलिस युवक की पहचान में जुट गई। पुलिस उसके गांव जाकर फोटो से पहचान करवाया तो वह चंदन ही निकला। जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। वह ग्रामीणों में भय का माहौल पैदा करने के लिए सोशल मीडिया पर हथियार लहराया था। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पकड़े गए युवक पर एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

रघुनाथपुर पुलिस ने दो शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। रघुनाथपुर पुलिस दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में रघुनाथपुर का राकेश राम और मंजुराहा का नरेश राम है। थानाध्यक्ष विकास कुमार पासवान ने बताया कि सूचना मिली कि मंजुराहा का नरेश राम घर के पास शराब रखकर विक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस छापेमारी के लिए पहूंची। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा। जिसे खदेड़कर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान घर के पास से 22 लीटर देशी शराब बरामद हुआ। जबकि एक तस्कर राकेश राम पर वर्ष 2023 में शराब का केस दर्ज था। वह फरार चल रहा था। सूचना मिली कि वह घर आया हुआ है। छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अरेराज में सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल, मंटू दूबे के आवास पर दावत-ए-इफ्तार का आयोजन

बीएनएम। अरेराज। अरेराज नगर पंचायत के पूर्व नगर अध्यक्ष धमेन्द्र कुमार उर्फ मंटू दूबे के आवास पर शुक्रवार की शाम रमजान के पाक महीने में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में नगर पंचायत सहित ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न जगहों से मुस्लिम भाइयों ने भाग लिया। सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीकः पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष धमेन्द्र कुमार उर्फ मंटू दूबे ने कहा कि रमजान का पाक महीना रोजेदारों के लिए महत्वपूर्ण होता है। दावत-ए-इफ्तार का आयोजन हिन्दू व मुस्लिम भाइयों के आपसी भाईचारे को दर्शाता है। एक माह तक रोजेदार प्रतिदिन रोजा रख बिना पानी पिए अल्लाह से अमन चैन की दुआ करते हैं। एक माह के अंत में ईद का पर्व मनाया जाता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोग आपसी भाईचारे के साथ इस पर्व को मनाते हैं। उपस्थित गणमान्य व्यक्तिः इफ्तार के दौरान दिनेश पांडेय, अवध तिवारी, श्रीकांत पांडेय, साहेब तिवारी, मुन्ना दूबे, श्रवण कुमार, बंगाली राम, गोपाल प्रसाद, फिरोज आलम, नफीज आलम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी : लोहा

- एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत 50 से अधिक पेड़ विद्यालय परिसर में लगवाया
- श्री गणेश महावीर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामगढ़वा में आयोजित किया गया कार्यक्रम
- चिराग के विजन बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के बारे में विस्तार से बताया

बीएनएम। रामगढ़वा। बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन भी जरूरी है। उक्त बातें लोजपा आर के प्रदेश महासचिव पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय ने शुक्रवार को प्रखंड के श्री गणेश महावीर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।उन्होंने अध्यापकों से स्कूली बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन का ज्ञान देने की सलाह देते हुए कहा कि बच्चे राष्ट्र की धरोहर है। कल यहीं बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर, आईएएस, आईपीएस एवं राजनेता बनेंगे। लोजपा नेता श्री पांडेय ने लोजपा आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के विजन बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बिहार की अस्मिता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए अनुशासनप्रिय एवं संस्कारी बनने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान श्री पांडेय ने अपने स्व निधि से करीब पचास से अधिक पेड़ विद्यालय परिसर में लगवाया। साथ ही प्रधानाचार्य की मांग पर बच्चों के लिए जिम की सामग्री खरीदने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेश्वरम देव ने की। मौके पर विद्यालय के सभी अध्यापक व छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थी।

जिले के 190 चौकीदारों को मिला रिवॉर्ड

बीएनएम। मोतिहारी। विधि व्यवस्था संधारण एवं शराब के विरुद्ध पुलिस की लगातार की गई कार्रवाई में चौकीदार का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। ऐसे में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिले के 190 चौकीदारों को पुरस्कृत किया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने प्रत्येक चौकीदार को 2 हजार का रिवॉर्ड देते हुए सम्मानित किया है। चौकीदारों के अहम रोल की वजह से ही शराबबंदी में पुलिस को सफलता मिलती है। ऐसे में पुलिस प्रशासन की यह बेहतर सोच कहीं जा रही है जिसमें व्यवस्था के सबसे निचले पायदान के व्यक्ति को सम्मान दिया जा रहा है। 190 चौकीदारों मे लगभग 4 लाख की राशि वितरित की जा रही है। बता दे कि जिले में कुल चौकीदारों की संख्या 750 है,ऐसे में अन्य चौकीदारों को सम्मानित होने वाले चौकीदारों से सीख लेनी चाहिए।

शोध के लिए साहित्य समीक्षा आवश्यक: प्रो.नागेंद्र

बीएनएम। मोतिहारी

भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थी शिरकत कर रहे है। कार्यशाला के दूसरे दिन "कंडक्टिंग ए कॉम्प्रिहेंसिव लिटरेचर रिव्यू, प्रैक्टिकल एक्सरसाइज ऑन लिटरेचर रिव्यू और प्रेजेंटिंग रिसर्च फाइंडिंग इफेक्टिवली" विषयों पर मुख्य वक्ता प्रो. नागेंद्र कुमार झा, कुलसचिव, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना और विशिष्ट वक्ता बुद्ध परिसर के निदेशक प्रो. सुनील महावर ने अपने विचार साझा किये। सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के कुलसचिव प्रो.नरेंद्र कुमार झा ने साहित्य समीक्षा के सात महत्वपूर्ण पहलू एवं शोध की सीमा के बारे में बताया। साथ ही ग्रंथ सूची और संदर्भ के अंतर के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने साहित्य समीक्षा के महत्व, क्षेत्र, उपकरण, प्रविधि इत्यादि पहलुओं पर के बारे में भी बताया। प्रो. नरेंद्र कुमार झा ने भारतीय सामाजिक विज्ञान तथा साहित्य समीक्षा और अनुसंधान समस्या निर्माण, विकास और विभिन्न पक्षों पर कार्यशाला के सहभागियो से सार्थक संवाद किया। वहीं विशिष्ट वक्ता प्रो. सुनील महावार ने 'प्रेजेंटिंग रिसर्च फाइंडिंग इफेक्टिवली' विषय पर शोधार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि शोध निष्कर्ष को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के लिए हमें हमेशा प्रस्तुतीकरण की पूर्व तैयारी करनी चाहिए और लक्षित दर्शकों की आवश्यकता को समझते हुए अपने शोध के उद्देश्य और परिणाम को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें। प्रस्तुति के लिए ढांचा एक स्पष्ट और तर्कसंगत ढांचा तैयार करें जिसमें परिचय, विधि, परिणाम और निष्कर्ष शामिल हों तथा चित्र, ग्राफ़ एवं टेबल का उपयोग करके अपने परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें। इसके अलावा प्रस्तुति के दौरान अपने शोध को स्पष्ट और सरल भाषा में प्रस्तुत करें, अपने शोध पर आत्मविश्वास रखें और अपने परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें साथ हीं अपने प्रेजेंटेशन को समय पर पूरा करें और अपने दर्शकों को पर्याप्त समय दें। जब आपकी प्रस्तुति समाप्त हो जाए तो उसके बाद अपने दर्शकों के प्रश्नों का उत्तर दें और उनकी चिंताओं को दूर करें, अपने दर्शकों से प्रतिक्रिया का स्वागत करें और अपने शोध में सुधार के लिए उनकी सलाह का उपयोग करें। इन मौलिक पहलुओं को आत्मसात कर कोई भी शोधार्थी अपने शोध निष्कर्ष को प्रभावी रूप से प्रस्तुत कर सकता है। कार्यशाला में आए सम्मानित वक्ताओं का स्वागत मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा एवं धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील दीपक घोडके ने किया और कार्यशाला के आगामी सत्रों को लेकर शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यशाला में विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण, डॉ. उमा यादव, डॉ. मयंक भारद्वाज और डॉ. आयुष आनंद के साथ-साथ मीडिया विभाग के शोधार्थी उपस्थित थें।

दहेज हत्याकांड के दो आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पीपराकोठी थाना क्षेत्र के पंडितपुर गांव से पुलिस ने दहेज हत्याकांड के दो आरोपित को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपित पंडितपुर गांव के सुरेश महतो का पुत्र पवन कुमार व भाग्यनारायण महतो का पुत्र सुरेश महतो है। मामले को लेकर पिछले वर्ष कुड़िया निवासी रामप्रवेश महतो ने अपनी पुत्री आरती कुमारी के दहेज के लिए हत्या कर शव को रेलवे लाइन पर फेकने को लेकर छः लोगों को नामजद अभियुक्त बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया था। तब से आरोपित फरार चल रहे थे। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष खालिद अख्तर ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपित को जेल भेज दिया गया है।

मोतिहारी में जिला प्रशासन व व्यवसायी संवाद का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी चेंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा शहर के छोटा बरियारपुर स्थित होटल रामसन प्लाजा में जिला प्रशासन व्यवसायी संवाद का आयोजन किया गया। मौके पर चेंबर के महासचिव आलोक कुमार ने विभिन्न सदस्यों और जिले विभिन्न क्षेत्रो के व्यावसायिक संघों के तरफ से प्राप्त सुझाव एवं शिकायतों को प्रस्तुत किया। इस दौरान व्यवसायियो ने लाइसेंसों के आवेदन एवं नवीकरण में हो रही बाधा को दूर करने तथा नगर निगम के द्वारा साफ सफाई एवं ट्रैफिक के मुद्दे पर काम करने की जरूरत पर बल दिया गया,जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी परेशानी की हालत में वह व्यवसायियों के लिए सदैव उपलब्ध रहेंगे। पुलिस अधीक्षक ने साइबर क्राइम एवं व्यवसाईयों को हो रही परेशानी के संदर्भ में निदान का आश्वासन दिया। नगर निगम आयुक्त ने कुछ सुविधाओं को ऑनलाइन करने की जानकारी दी, एवं नगर निगम के द्वारा भविष्य में किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।इस संवाद कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि कई समस्याओ का हाथों हाथ निष्पादन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया। कार्यक्रम के दौरान चेंबर के संस्थापक अध्यक्ष वीरेंद्र जालान ने खुले में बढ़ रहे मांस बिक्री पे ध्यानाकर्षण कराया।कार्यक्रम में बलुआ व्यवसायी संघ, पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन, स्वर्णकार संघ, प्लाईवुड एसोसिएशन,चकिया चैंबर, हरसिद्धि चैंबर सहित बड़ी संख्या में जिले के व्यवसाई उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस- 2025 पर पानी बचाने और विवेकपूर्ण उपयोग की शपथ ली

बीएनएम। शिवहर

आदर्श मध्य विद्यालय के प्रांगण में स्थित जिला पंचायत संसाधन केंद्र के सभागार में पंचायती राज प्रशाखा शिवहर के द्वारा आयोजित कार्यक्रम लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण एवं तकनीकी सहयोग वाटर भर पीपल के द्वारा विश्व जल दिवस 2025 के अवसर पर एक दिवसीय टी .ओ. टी. कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन अपर जिला पंचायती राज पदाधिकारी विजय कुमार, जिला सहयोग विशेषज्ञ आशीष कुमार, नोडल पदाधिकारी हरीश कुमार, जिला रसायणग्य निखिल मिश्रा एवं अमित कुमार मिश्रा रहे मौजूद। कार्यक्रम में अतिथियों ने बताया है कि विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व के सभी देशों में स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना है साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करना है। विश्व जल दिवस 2025 का अवसर पर पानी बचाने और उसके विवेक पूर्ण उपयोग की शपथ ली गई है ।पानी को एक अनमोल संपदा मानते हुए उपयोग करने तथा कलश में जल अर्पित कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया है। तथा बताया गया कि इस वर्ष का थीम हिमनद संरक्षण है ।जल संसाधनों के संरक्षण और स्थाई प्रबंध के लिए एकजुट होने की अपील की गई है।

नवसम्वत्सर के अवसर पर नवरात्र दुर्गा पूजा की तैयारी अंतिम चरण में

- भगवती की प्रतिमा को अंतिम आकर देने में जुटे मूर्तिकार
- 29 मार्च को गण्डक नदी के तट पर पहुचेगी कलश शोभा यात्रा

- जलयात्रा में शामिल होगीएक हजार एक सौ आठ कन्याएं
- चैत्र नवरात्र के भव्य पंडाल पूजाके आयोजन का है छठा वर्ष

बीएनएम। अरेराज

नवसम्वत्सर केअवसर पर गण्डक तटवर्ती अरेराज नवादा गाँव में वासंतिक नवरात्रकेनौ दिवसीय दुर्गापूजा के छठे साल के आयोजन की तैयारी आरम्भ कर दी गयी है। माता भगवती की भव्य प्रतिमा कानिर्माण कार्य भी अंतिम चरण मेहै। सदा नीरा नारायणी नदी के गोबिंदगंज घाट पर जलबोझी को लेकर वरुण कलश यात्रा की भव्य तैयारी की जा रही है। कलश शोभा यात्रा में एक हजार एक सौ आठ कन्याओं के शामिल होने की संभावना है।आगामी 07 अप्रैल को नौ दिवसीय यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। आयोजन समितिके सक्रिय सदस्य नीतीश कुमार ने बताया कि गण्डक नदी के रामजानकी मठ से होकर जल यात्रा नदी की मुख्य धारा की ओर प्रस्थान करेगी जहाँ आचार्य कुंदन गौतम के वैदिक मंत्रोच्चार केबीच जल संग्रहण का कार्य पूरा करने की तैयारी है। ग्रामीणों केसहयोग से विगत छह वर्षों से चैत्र नवरात्र के अवसर पर यहाँ भव्य पंडाल दुर्गा पूजन का आयोजन होता चला आ रहा है। यज्ञस्थल पर मूर्तिकारों द्वारा किया जा रहा है ।भव्य प्रतिमा व पंडाल का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण मेहै। दुर्गा पूजा समारोह की सफलता को लेकर अध्यक्ष मूनटून उपाध्याय,उपाध्यक्ष निपु पांडेय, सचिव ध्रुव महतो, मुन्ना पांडेय, व्यवस्थापक चन्देश्वर चौबे, शैलेश पांडेय, सुभाष पांडेय, शशिकांत पांडेय एवम विशेष सहयोगी हिमांशु नारायण चौबे की सक्रियता देखी जा रही है। यज्ञ स्थल पर सध्याकालीन भजन आरती, प्रवचन व संकीर्तन का भी किया जाएगा आयोजनकिया जाएगा।संगीत नृत्य के माध्यम से आध्यात्म ज्ञान वृद्धि को लेकर वृंदावन मथुरा के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत जागरण व रासलीला का भी श्रद्धालु आनन्द उठाएंगे।

ई रिक्शा और बाईक कि सीधी टक्कर में बाईक सवार गंभीर रूप से घायल

बीएनएम। रामगढ़वा

थाना क्षेत्र के मुरला गांव के सामने एनएच 28 पर देर शाम हवा हवाई और मोटरसाइकिल के आमने सामने सीधी टक्कर में मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को मुरला गांव के लोगों के द्वारा रामगढ़वा पीएचसी में लाया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा इलाज किया जा रहा है। वहीं ई रिक्शा ठोकर मार फरार हो गया। उक्त गांव के लालू ठाकुर ने बताया कि जैसे हीं हम मुरला गांव के चौक पर पहुंचे तो देखे कि मोटरसाइकिल सवार ठोकर लगने से रोड के किनारे गिरा पड़ा है। देखते हीं तुरन्त 112 नंबर की गाड़ी को फोन कर बुलाया। उसके बाद एसआई श्याम नन्दन के सहयोग से तीनों घायलों को रामगढ़वा अस्पताल में लाया गया, जहां पर डॉक्टर के द्वारा तीनों को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। डॉ. प्रहस्त कुमार ने बताया कि तीनों को गंभीर चोट आई है। तीनों को इलाज किया जा रहा है खतरे से बाहर है। घायलों में नीरज कुमार उम्र 15 वर्ष अहिरौलिया के खाप टोला, शिव कुमार उम्र (18), अनीश कुमार उमर उम्र(19)थाना पलनवा ग्राम जैतापुर का रहने वाला है। इन तीनों घायलों के परिजनों के घर खबर हो गया है।

शिक्षा, स्वास्थ्य व कृषि में सुधार तथा पलायन पर विराम है जन सुराज की प्राथमिकता : केके गिरि

बिहार में व्याप्त भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के विरुद्ध तेजी से एकजुट हो रहे लोग

- गांव-गांव में हो रहा विस्तार कार्यक्रम का आयोजन
- कमीशन खोरी के फैले सम्राज्य का अंत होना तय

बीएनएम। अरेराज

विगत 35 वर्षों से सत्ता की कुर्सी पर सिर्फ़ दो ही लोगों का कब्जा रहा है। जिन्होंने, राज्य में सभी व्यवस्थाएं चौपट कर दी। शिक्षा और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने में सरकार विफल साबित हुई है। खेती चौपट और परेशान हाल हैं, बावजूद इसके सरकार अपना पीठ थपथपाने से बाज नहीं आ रही है। उक्त बातें गोविन्दगंज विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी प्रत्याशी सह राज्य कोर समिति के सदस्य कमलेश कांत गिरि ने कही। उन्होंने कहा कि 1947 में स्वराज आया था और 78 वर्ष बाद 2025 में जन सुराज आया है, अब लोगों को अफसरशाही, भ्रष्टाचार और कुव्यवस्था से छुटकारा मिलेगा, चारों तरफ खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि पहले लोगों के पास विकल्प नहीं था, इसलिए कभी नागनाथ तो कभी सांपनाथ सत्ता पर काबिज़ होते रहे। अब लोग जागरूक हैं और विकल्प भी मिल चुका है, 2025 में हीं एक सबेरा ऐसा होगा जब बिहार विकास का इबारत लिखेगा। श्री गिरि ने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई, अस्पतालों में दवाई और गरीबों को रसोई के साथ बेरोजगारी तथा पलायन नामक बीमारी का सदा के लिए अंत हो जाएगा। कृषि को मनरेगा से जोड़कर किसान एवं मजदूरों का कल्याण करना एवं वृद्धा पेंशन योजना में सुधार कर 2000 रुपए प्रति व्यक्ति करना जन सुराज की प्रथम प्राथमिकता है। सही लोग, सही सोच और सामूहिक प्रयास के बदौलत बदहाल बिहार को समृद्ध बिहार बनाया जाएगा।

एक नज़र अव्यवस्थाओं पर- स्कूल में खिचड़ी और कॉलेज में बिना पढ़ाई की डिग्री तथा पेपर लीक एवं नौकरियों में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार जगजाहिर है। किसानों को बेहद महंगे दर खाद-बीज तथा नाना प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में लूट, रिश्वतखोरी और अपराध का बोलबाला हावी है। इस अवसर पर जन सुराज नेता प्रभात कुमार, मदन सिंह, छोटू दुबे, सिंटू कुमार मिश्रा, विकास कुमार, सौरव कुमार, रूनू पांडेय सहित अन्य उपस्थित थे।

फेसबुक पेज से अश्लील टिप्पणी व वीडियो पोस्ट करने वाले युवक पर दर्ज हुआ प्राथमिकी

बीएनएम। मोतिहारी

पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर साइबर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया के फेसबुक प्लेटफार्म से महिलाओं के विरूद्ध अपमानजनक एवं अश्लील टिप्पणी व विडियो का प्रसारण करने के मामले में पुलिस ने एक युवक के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी हेतु छापेमारी शुरू कर दिया है। उक्त विडियो रजनीश सिंह नामक व्यक्ति द्धारा "भोजपुरिया रेलाई" नामक फेसबुक पेज पर प्रसारित किया गया है,जिस पर कई अश्लील विडियों का प्रसारण किया जा रहा था। साइबर पुलिस ने उक्त व्यक्ति की पहचान जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के धवही बाजार निवासी पन्नालाल पटेल के पुत्र रजनीश कुमार के रूप करते हुए उसके विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कर छापेमारी शुरू कर दिया है। इसकी जानकारी देते एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा है,कि मोतिहारी पुलिस द्धारा सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म की सतत निगरानी की जा रही है। महिलाओं के विरूद्ध अपमानजनक एवं अश्लील टिप्पणी करते हुए विडियो वायरल करने वालो पर विधि सम्मत कारवाई सुनिश्चित किया जायेगा।उन्होने कहा कि ऐसे वीडियो से जनमानस में काफी क्षोभ एवं समाज में तनाव की स्थिति बनने की आशंका बनती है। सार्वजनिक रूप से अश्लील संगीत का प्रसारण करना अथवा महिलाओं व बच्चों के विरूद्ध अपमानजनक एवं अश्लील सामग्री का सोशल मीडिया पर प्रसारण करना एक दण्डनीय अपराध है।ऐसा करने वाले किसी भी हाल में बख्शे नही जायेगे।

मुठभेड़ों पर आलोचनात्मक टिप्पणियां

यूपी में एनकाउंटर कोई नई घटना नहीं है। पहले भी कुछ मौकों पर विपक्ष ने मुठभेड़ों पर सवाल उठाए हैं। यहां तक कि न्यायपालिका ने आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं। लेकिन आम तजुर्बा है कि यूपी सरकार पर कोई असर नहीं होता। उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर (जिनके बारे में आरोप है कि उनमें ज्यादातर फर्जी होते हैं) और बुल्डोजर राज इतना आम फहम हो गया है कि उनसे कानून के राज के ध्वस्त होने को लेकर आशंकाएं गहराती चली गई हैं। देखा गया है कि मोटे तौर पर ऐसी कार्रवाइयों के निशाने पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोग होते हैं। चूंकि उनसे सहानुभूति जताना आज राजनीतिक रूप से घाटे का सौदा माना जाता है, इसलिए उनसे जुड़ी घटनाओं पर सियासी दायरे में कोई बड़ा शोरगुल नहीं होता। इसको लेकर सवाल तभी उठते हैं, जब इनका निशाना राजनीतिक रूप से किसी रसूखदार समुदाय का व्यक्ति बने। ऐसे ही सवाल अभी उत्तर प्रदेश में गर्म हैं। राज्य के सुल्तानपुर जिले में 28 अगस्त को एक गहने की दुकान में डकैती हुई, जिसमें करीब दो करोड़ रुपये के कीमती सामान लूट लिए गए। पुलिस ने धर-पकड़ शुरू की।छह दिन बाद एक मुठभेड़ में तीन लोगों को घायल कर गिरफ्तार कर लिया। अगले दिन यानी चार सितंबर को एक व्यक्ति ने अदालत में समर्पण कर दिया। छह सितंबर को यूपी की स्पेशल टास्क फोर्स ने मंगेश यादव नाम के एक अभियुक्त को मुठभेड़ में मार गिराया। मंगेश के परिजनों का आरोप है कि दो दिन पहले उसे एसटीएफ वाले पूछताछ के लिए घर से उठा ले गए थे और फिर मुठभेड़ में उसके मारे जाने की खबर आई। परिजनों का आरोप है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि हत्या है। उसके बाद से राज्य में एनकाउंटर को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस मामले में राज्य की योगी सरकार पर निशाना साधा है। लेकिन यूपी में एनकाउंटर कोई नई घटना नहीं है। पहले भी कुछ मौकों पर विपक्ष ने मुठभेड़ों पर सवाल उठाए हैं। यहां तक कि न्यायपालिका ने आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं।

ऋषभ हैं सभ्यता और संस्कृति के पुरोधा पुरुष

ललित गर्ग

(भगवान ऋषभदेव जन्म जयन्ती 22 मार्च, 2025 पर विशेष)

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ यानी भगवान ऋषभदेव विश्व संस्कृति के आदि पुरुष, आदि संस्कृति निर्माता थे। वे प्रथम सम्राट और प्रथम धर्मतीर्थ के आद्य प्रणेता थे। उनकी निर्मल जीवनगाथा हजारों वर्षों से जनजीवन को प्रेरणा प्रदान करती रही है। जैन, बौद्ध और वैदिक परम्परा में ही नहीं, विश्व की अन्य संस्कृतियों में भी उनकी यशोगाथा गायी गई है। भगवान ऋषभदेव ने भारतीय संस्कृति में असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प रूपी जीवनशैली दी, आज हमारा जीवन उसी पर आधारित है। इन छह कर्मों के द्वारा उन्होंने जहां समाज को विकास का मार्ग सुझाया, वहीं अहिंसा, संयम और तप के उपदेश द्वारा समाज की आंतरिक चेतना को जगाया। उनकी जन्म जयन्ती कोरा आयोजनात्मक माध्यम न होकर एक प्रयोजनात्मक उपक्रम है, जिसमें हम भारतीय संस्कृति को दिये उनके योगदान को स्मरण करते हुए अपने जीवन को आदर्श बना सकतेहैं। भगवान ऋषभदेव वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं। तीर्थंकर का अर्थ होता है-जो तीर्थ की रचना करें। जो संसार सागर यानी जन्म मरण के चक्र से मुक्ति दिलाकर मोक्ष प्रदत्त करें। ऋषभदेव को 'आदिनाथ' भी कहा जाता है। वे भगवान विष्णु के अवतार थे। जन-जन की आस्था के केन्द्र तीर्थंकर प्रभु ऋषभदेव का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी को अयोध्या में हुआ। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। वे जानते थे कि नहीं जानना बुरा नहीं मगर गलत जानना, गलत आचरण करना बुरा है। इसलिए उन्होंने सही और गलत को देखने, समझने, परखने की विवेकी आंख दी जिसे सम्यक् दृष्टि कहा जा सकता है। यह वह समय था जब भोगभूमि का काल पूर्ण होकर कर्मभूमि का काल प्रारंभ हो गया था। भोगभूमि में दस कल्पवृक्ष होते थे जो मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करते थे। मनुष्य को कोई काम नहीं करना पड़ता था। धीरे-धीरे काल के प्रभाव से यह कल्पवृक्ष लुप्त होते गए और मनुष्य के सामने भूख प्यास, गर्मी सर्दी और बीमारियों की समस्याएं आने लगी। प्रजा अपने राजा नाभिराय के पास गई और उपाय पूछा तो राजा ने प्रजा को युवराज ऋषभ के पास भेज दिया। युवराज ऋषभ ने संसारी रहते हुए प्रजाजनों को शस्त्र, लेखनी, विद्या, व्यापार, खेती एवं शिल्प इन छह कार्यों को करना सिखलाया। उन्होंने जनता को इन छह कार्य के द्वारा आजीविका पैदा करने के उपदेश दिए। इसीलिए वे युगकर्ता, सृष्टि के पालनहार और सृष्टि के ब्रह्मा कहलाए। इस रचना के द्वारा ऋषभदेव ने प्रजा का पालन किया। इसलिए उन्हें प्रजापति भी कहा गया।

महाराज नाभि के यहां ऋषभ रूपी दिव्य बालक का जन्म हुआ। उसके चरणों में वज्र, अंकुश आदि के चिन्ह जन्म के समय ही दिखाई दिये। बालक के अनुपम सौन्दर्य को जिसने भी देखा वह मोहित हो गया। बालक के जन्म के साथ महाराज नाभि के राज्य में सम्पूर्ण ऐश्वर्य, सुख-शांति एवं वैभवता परिव्याप्त हो गयी। नाभि के राज्य में अतुल ऐश्वर्य को देखकर इन्द्र को ईर्ष्या हुई। उन्होंने इनके राज्य में वर्षा बंद कर दी। भगवान ऋषभदेव ने अपनी योगमाया के प्रभाव से इन्द्र के प्रयत्न को निष्फल कर दिया। इन्द्र ने अपनी भूल के लिए क्षमा माँगी। ऋषभ के सौ पुत्र हुए। उनमें सबसे बड़े पुत्र का नाम भरत था। उसी के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष प्रसिद्ध हुआ। ऋषभ ने पुत्रों को मोक्षधर्म का अति सुंदर उपदेश दिया। तदनन्तर ऋषभ अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये। ऋषभ जब शासक बने, अनूठा

थी उनकी शासन-व्यवस्था। क्योंकि उनके लिये सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। उन्होंने कानून कायदे बनाए। सुरक्षा की व्यवस्था की। संविधान निर्मित किए। नियमों का अतिक्रमण करने वालों के लिए दण्ड संहिता भी तैयार की। सचमुच वह भी कैसा युग था। न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। बाद में जब कभी बदलते परिवेश, पर्यावरण, परिस्थिति और वैयक्तिक विकास के कारण व्यवस्था में रुकावट आई, कहीं कुछ गलत हुआ, मनुष्य का मन बदला तो उस गलत कर्म के लिए इतना कह देना ही बड़ा दण्ड माना जाता कि 'हाय! तूने यह क्या किया?' 'ऐसा आगे मत करना', 'धिक्कार है तूने ऐसा किया।' ये हाकार, माकार और धिक्कार नीतियां अपराधों का नियमन करती रहीं। आज की तरह उस समय ऐसा नहीं था कि अपराधों के सच्चे गवाह और सच्चे सबूत मिल जाने के बाद भी अदालत उसे कटघरे में खड़ा कर अपराधी सिद्ध न कर सके। निर्दोष व्यक्ति न्याय पाने के लिए दर-दर भटके और अपराधी धड़ल्ले से शान-शौकत के साथ ऐशो आराम करे। सत्ता के नाम पर युद्ध तो सदियों में होते रहे हैं मगर ऋषभ के राज वैभव छोड़कर संन्यस्त बन जाने के बाद सिंहासन के लिए भाई-भाई भरत बाहुबली में जो संघर्ष हुआ वह ऐतिहासिक प्रसंग भी आज के संदर्भ में एक सीख है। आज भी सत्ता और स्वार्थ का संघर्ष चलता है। सब लड़ते हैं पर देश के हित में कम, अपने हित में ज्यादा। लेकिन न तो आज ऋषभ के 98 पुत्रों की तरह समस्या के समाधान पाने की जिज्ञासा है कि हम किसको मुख्य मानकर उनसे अंतिम समाधान मांगे और न ही कोई ऐसा ऋषभ है जो अंतहीन समस्याओं के बीच सबको सामयिक संबोध दे। राज्य प्राप्ति के प्रश्न पर जब भरत बाहुबली के बीच अहं और आकांक्षा आ खड़ी हुई तो ऋषभ ने शस्त्र युद्ध को नकारा और आत्मयुद्ध की प्रेरणा दी, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है। भगवान ऋषभदेव को सभ्यता और संस्कृति की विकास यात्रा का प्रणेता माना जाता है, उनका अवतरण आदिम युग का परिष्कारक बना। वे पुरुषार्थ चतुष्टयी के पुरोधा थे। अर्थ और काम संसार की अनिवार्यता है तो धर्म और मोक्ष जीवन के चरम लक्ष्य तक पहुंचाने वाले सही रास्ते। उन्होंने प्रयोगधर्मा ऋषि बनकर जगत् की भूमिका पर जीवन के बिखराव की व्यवस्था दी तो अध्यात्म के परिप्रेक्ष्य में धर्म की जीवंतता प्रस्तुत की। समाज व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी, इसलिए कर्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिए उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। ऋषभ की दण्डनीति और न्यायनीति आज प्रेरणा है उस संवेदनशून्य व्यक्ति के लिए जो अपराधीकरण एवं हिंसक प्रवृत्तियों की चरम सीमा पर खड़ा है। व्यक्तित्व बदलाव का प्रशिक्षण ऋषभ की बुनियादी शिक्षा थी। ऋषभ ने राजनीति का सुरक्षा कवच धर्मनीति को माना। राजनेता के पास शस्त्र है, शक्ति है, सत्ता है, सेना है फिर भी नैतिक बल के अभाव में जीवन मूल्यों के योगक्षेम में वे असफल होते हैं जबकि उन सबके अभाव में संत चेतना के पास अच्छाइयां और आदर्श चले आते हैं, क्योंकि उसके पास धर्म की ताकत, चरित्र की तेजस्विता है। ऋषभ ने संसार और संन्यास दोनों की जीया। ये पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने कर्मबंध और कर्ममुक्ति का राज प्रकट किया। वे संन्यस्त होकर वर्ष भर भूखे-प्यासे घूमते रहे। प्रतिदिन शुद्ध आहार की गवेषणा करते रहे। यह जानते हुए भी कि भूख और प्यास मेरी कर्मजनित नियति है। यह पुरुषार्थ उनकी सहिष्णुता, समता, संयम और संकल्प की पराकाष्ठा का सबूत था। वर्ष भर के तप की पूर्णाहुति जब राजकुमार श्रेयांस द्वारा दिए गए इक्षु रस के सुपात्र दान से हुई तो वह दिन, वह दान, वह दाता, वह तप अक्षय बन गया। भावशुद्धि की प्रकर्षता का वह क्षण सबके लिए प्रेरणा बन गया और उसे अक्षय तृतीया पर्व के रूप में जैन धर्म के अनुयायी एक वर्ष की तपस्या करके मनाते है।

सूडोकु नवताल- 7377

कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7376 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

राजस्थान दिवस वर्ष प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय

मुरारी गुप्ता

स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि हमें गौरव से जीने की भावना जागृत करनी है और यदि हम अपने हृदय में देशभक्ति के बीज बोना चाहते हैं तो हमें हिंदू राष्ट्रीय पंचांग की तिथियों का आश्रय लेना होगा। जो कोई भी विदेशियों की तिथियों पर निर्भर रहता है वह गुलाम बन जाता है और आत्मसम्मान खो देता है। स्वामी विवेकानंद की यह उद्घोषणा भारतीय संस्कृति और काल गणना के महत्त्व को रेखांकित करता है। साथ ही भारत के नीति निर्माताओं को भी मार्गदर्शन देती है कि उन्हें राष्ट्र और समाज के उत्थान और उसके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के लिए क्या करना चाहिए। हाल ही राजस्थान सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर राजस्थान राजस्थान का स्थापना दिवस भारतीय तिथि के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाने की घोषणा की है। विधानसभा के पटल पर रखा गया मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का ये निर्णय भारत की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने की ओर महत्वपूर्ण कदम है। निश्चित तौर पर इससे राजस्थान दिवस समारोह राजस्थान की आम जनता का उत्सव बन सकेगा। गौरतलब है कि भारतीय नववर्ष मनाने के लिए गठित नववर्ष समारोह समिति गत 24 वर्षों से राजस्थान सरकार से लगातार मांग कर रही थी कि राजस्थान स्थापना दिवस 30 मार्च के बजाय वर्ष प्रतिपदा नव संवत्सर पर मनाया जाए। इसके पीछे उनका तर्क है कि राजस्थान की स्थापना हिन्दू पंचांग के अनुसार इसी दिन शुभ मुहूर्त देखकर हुई थी। उस दिन 30 मार्च थी। बाद में वर्ष प्रतिपदा को भुला दिया गया और 30 मार्च को स्थापना दिवस मनाया जाने लगा। 30 मार्च 1949 को संयुक्त राजस्थान के उद्घाटन के अवसर पर तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भी अपने भाषण में इस बात का उल्लेख किया था। अपने महत्वपूर्ण भाषण में तब उन्होंने कहा था—"राजपूताना में आज नए वर्ष का प्रारंभ है। यहां आज के दिवस वर्ष बदलता है। शक बदलता है। यह नया वर्ष है। तो आज के दिन हमें नए महा-राजस्थान के महत्व को पूर्ण रीति से समझ लेना चाहिए। आज अपना हृदय साफ कर ईश्वर से हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें राजस्थान के लिए योग्य राजस्थानी बनाये। राजस्थान को उठाने के लिए राजपूतानी प्रजा की सेवा के लिए ईश्वर हमको शक्ति और बुद्धि दे। आज इस शुभ दिन हमें ईश्वर का आशीर्वाद मांगना है। मैं आशा करता हूं कि आप सब मेरे साथ राजस्थान की सेवा की इस प्रतिज्ञा में इस प्रार्थना में सम्मिलित होंगे। जय हिंद!" बल्लभ भाई पटेल के भाषण की बातें राजस्थान का स्थापना दिवस समारोह वर्ष प्रतिपदा जैसे शुभ अवसर पर आयोजित करने के लिए पर्याप्त है। भारतीय नववर्ष महज तिथि का बदलना नहीं है। यह वह अवसर है जब प्रकृति पूरी तरह सजधज कर दुल्हन का सा स्वरूप धारण करती है। वसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जब पेड़-पौधों में नए पत्ते और फूल खिलते हैं। वातावरण में उत्साह का संचार होता है। इसका खगोलीय महत्व है, जिसका विस्तार से वर्णन भारतीय शास्त्रीय परंपरा में है । वर्ष प्रतिपदा एक खगोलीय गणना है, जो ब्रह्मांडीय घटनाओं से जुड़ा हुआ है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक पूर्ण चक्र पूरा करती है। इस दिन दिन-रात बराबर होते हैं, जो संतुलन और नए जीवन का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त भारत में अनेक ऐतिहासिक घटनाएं हैं जो इस दिन से जुड़ी है, जो सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन को प्रेरणा देती है। राजा विक्रमादित्य ने इसी दिन विक्रम संवत की स्थापना की थी। भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। यह सिखों के दूसरे गुरु श्रीअंगद देव जी का जन्मदिन भी है। स्वामी दयानन्द सरस्वती ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की थी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉक्टर केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी इसी दिन हुआ था। राजस्थान के इतिहास की बात करें तो इसे पहले राजपूताना के नाम से जाना जाता था। तब यहाँ अनेक रियासतें थीं, जिन्हें मिलाकर यह राज्य बना। राजस्थान का एकीकरण 7 चरणों में पूरा हुआ। इसकी शुरुआत 18 अप्रैल 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली रियासतों के विलय से हुई। विभिन्न चरणों में रियासतें जुड़ती गईं तथा अन्त में 1949 में वर्ष प्रतिपदा (30 मार्च) के दिन जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों के विलय से "वृहत्तर राजस्थान संघ" बना। इसे ही राजस्थान स्थापना दिवस कहा जाता है। इसमें सरदार वल्लभभाई पटेल की सक्रिय भूमिका थी। वे सरकार की विलय योजना के अंतर्गत विभिन्न रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने का काम कर रहे थे। राजस्थान सरकार का राजस्थान स्थापना दिवस को वर्ष प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक रूप से पूर्णतः उचित है।

मेष राशिः आज आपका दिन नॉर्मल रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का आज का दिन पढ़ाई में मन लगा रहेगा। दोस्तों के साथ आज बाहर जाने का प्लान बनेगा। आज परिवार से संबंधित लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय सकारात्मक रहेंगे। पिछले कुछ समय से चल रही किसी समस्या का भी निदान होगा। कोई शुभ सूचना मिलने से घरों में उत्सव भरा माहौल रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पहले की अपेक्षा आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस राशि के आर्किटेक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छे सौगात लेकर आया हैं, आज आपके कामों की तारीफ हो सकती हैं। आज सामाजिक गतिविधियों में दिन का अधिकतम समय बीतेगा। अपने संपर्कों का दायरा और अधिक विस्तृत करना फायदेमंद रहेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मीडिया और मार्केटिंग संबंधी व्यवसाय से नई-नई जानकारियां मिलेंगी। जिससे आपकी कार्यप्रणाली में भी गति आएगी। महिलाएं अपने काम को लेकर उत्साहित रहेंगी। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करने में उच्चाधिकारियों का भी पूरा मार्गदर्शन मिलेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके जीवन में नया बदलाव लेकर आयेगा। घर वालों का भरपूर प्यार आपको मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाऐंगे। इस राशि के जो लोग किसी दूसरे राज्य में व्यापार की शुरुआत करना चाहते हैं आज का दिन उनके लिए अच्छा हैं, परिवारवालों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। अगर आप सरकारी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, आज आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर ई-मेल के द्वारा आने की संभावना बन रही हैं।

सिंह राशिः आज अपने दिन की शुरुआत नए उमंगों के साथ करेंगे। आज जिस काम को पूरा करने की ठान लेंगे, उसे पूरा करके ही दम लेंगे। आपकी सकारात्मक संतुलित सोच द्वारा योजनाबद्ध तरीके से दिनचर्या बीतेगी, जिससे आपका उत्साह और मनोबल बना रहेगा। परिवार के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम भी बनेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन रचनात्मक कार्यों में लगा रहेगा। आज पिछले कुछ समय से जिस काम के लिए प्रयास कर रहे थे, आज उससे संबंधित खुशखबरी मिल सकती हैं। परंतु दूसरों से उम्मीद रखने की बजाय अपनी योग्यता पर विश्वास रखना ज्यादा बेहतर रहेगा। इससे आप का मनोबल भी बना रहेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आएगा। आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व देंगे जो आपके लिए इम्पोर्टेन्ट हैं। साथ ही आपको काम, परिवार और दोस्तों के बीच संतुलन बना कर रखना चाहिए, ऐसा करने से आपके रिश्तों में संतुलन बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। पारिवारिक व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के लिए बाहरी व्यक्तियों का अपने घर के मामले में हस्तक्षेप ना होने दें। आज आपके अपने नजदीकी लोग ही आपके लिए कुछ दिक्कतें पैदा करेंगे। सचेत रहें और नकारात्मक परिस्थितियों में धैर्य न खोए और अपना मनोबल मजबूत बनाकर रखें।

धनु राशिः आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आज आप आर्थिक स्थिति को देखते हुए भविष्य की प्लानिंग बना सकते हैं। आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम जल्द ही मिलेगा। आज कार्यस्थल पर गतिविधियां धीमी होने के बावजूद आप योग्यता और मेहनत से आर्थिक स्थिति सामान्य रखेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज कार्यस्थल पर अपनी उपस्थिति और फोकस रखना जरूरी है। इससे व्यवसाय में आपकी मेहनत के बेहतर परिणाम सामने आएंगे। नौकरी करने वाले लोगों को काम की अधिकता बनी रहेगी। ओवरटाइम भी करना पड़ सकता है।

कुंभ राशिः आज आपका ध्यान धार्मिक कार्यों में लगा रहेगा। शाम को आप किसी सामारोह में जायेंगे जिसमें आपकी मुलाकात किसी खास व्यक्ति से होगी। आज किसी विशेष व्यक्ति से प्रभावित होकर आप भी अपनी दिनचर्या में कुछ परिवर्तन लाने की कोशिश करेंगे और कुछ नए कार्यों को भी करने में आपका ध्यान केंद्रित रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन पहले की अपेक्षा ज्यादा लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको अपनी मेहनत पर भरोसा करके काम करना चाहिए आपके काम सफल होंगे। आज बिजनेस में मेहनत के मुताबिक नतीजे मिलेंगे और इनकम पहले से बेहतर होगी। लेकिन कोई भी व्यवसाय संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले उचित सोच-विचार करना जरूरी है। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस राशि के बच्चें अगर ज्यादा मेहनत करेंगे तो भविष्य में जल्द ही सफलता मिलेगी। साथ ही आज बच्चें अपने पिता से परामर्श भी लेंगे।

ट्रंप के टैरिफ से आया दुनिया में नया आर्थिक भूचाल

ऋतुपर्ण दवे

अमेरिका में इस बार चुनाव के दौरान ही ट्रंप के आक्रामक तेवर बता रहे थे कि वो न केवल कुछ नया करेंगे बल्कि सभी राष्ट्रपतियों से बड़ी लकीर खीचेंगे। 13 जुलाई 2024 को उन्हें मारने की कोशिश के दौरान चली गोली ने पूरे चुनावी रुख को बदल डाला। मौत और ट्रंप के बीच का सेकेंड्स से भी कम का ये फासला ही कहीं उनके सख्त तेवरों की वजह तो नहीं? उनके मुंह से तब निकले-फाइट, फाइट, फाइट के शब्द अब हकीकत में दुनिया के लिए चुनौती बन रहे हैं। ट्रंप कड़े और बड़े फैसले लेकर सबसे 'फाइट' कर रहे हैं। क्या उनका दूसरा कार्यकाल अमेरिका और दुनिया में नया इतिहास रचेगा? सबसे ज्यादा परेशानी और हैरानी उनकी हालिया टैरिफ घोषणाओं से है जो दुनिया में चिंता का सबब है। आखिर टैरिफ है क्या, जिससे ट्रंप की घोषणा के बाद बड़ा वैश्विक भूचाल आया हुआ है। यह दूसरे देशों से आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है। जिसका भुगतान आयातक करते हैं। किसी वस्तु पर 10 फीसदी टैरिफ का मतलब भारत से अमेरिका पहुंची 5 डॉलर की उस वस्तु पर 0.50 डॉलर का अतिरिक्त टैक्स है। इससे आयातित वस्तु का दाम बढ़ता है और खरीददार सस्ते घरेलू उत्पाद ढूंढ़ने लगते हैं। नतीजतन आयात करने वाले देश को अपनी अर्थव्यवस्था बढ़ाने में सहयोग मिलता है लेकिन ट्रंप का नजरिया अलग है। वो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था बढ़ाने, नौकरियों की रक्षा करने और कर राजस्व बढ़ाने के तौर पर देखते हैं। दुनिया के अमीरों में शुमार दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट जिनके बारे में कहा जाता है कि वो दुनिया के शेयर बाजार की चाल को नियंत्रित करते हैं, वे भी ट्रंप के इस कदम से नाखुश हैं। बफेट टैरिफ नीतियों को युद्ध जैसा कदम मानते हैं। महंगाई और उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंकाएं जताते हैं। इससे दीर्घकालीन अवधि में आर्थिक प्रभावों पर दुष्प्रभाव तथा आम उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका जताते हैं। बफेट की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ट्रंप के चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के बाद आई। इससे ग्लोबल ट्रेड वॉर और बढ़ा जो निवेशकों की गहरी चिंता का सबब है। टैरिफ पर अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। चीन चेतावनी दे चुका है कि वो इससे निपटने के लिए तैयार है। चीन ने कह चुका है कि वह अमेरिकी दबाव का मुकाबला करेगा। चीनी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ते ही दुनिया की दो दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं के मध्य व्यापार युद्ध के आसार झलकने लगे हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग का बयान कि यदि कोई देश केवल अपने हित आगे बढ़ाने लगे तो दुनिया में जंगल का कानून लागू हो सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका को फेंटेनाइल महामारी से निपटने में बीजिंग का सहयोग नहीं भूलना चाहिए। क्या वाशिंगटन इस उदारता का बदला अकारण टैरिफ बढ़ा ले रहा है? सच है कि चीन लंबे समय से विश्व का कारखाना बना हुआ है। 1970 के आखिर में जैसे ही चीन ने

अपनी अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए खोली तबसे सस्ते श्रम और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश के चलते ऊंचाइयां छूता चला गया। शायद ट्रंप को यही चीनी सफलता चुभ रही हो। दुनिया की निगाहें ट्रंप के टैरिफ युद्ध खासकर चीन की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री पर है कि उसे कितना नुकसान पहुंच सकता है। दूसरी ओर ट्रंप इस बार अपने व्यापारी मित्रों, सहयोगियों और सलाहकारों से ज्यादा घिरे दिखते हैं। टैरिफ उनके इकोनॉमिक प्लान्स का हिस्सा है। इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ेंगे। गौरतलब है कि उनके खास मित्र एलेन मस्क भारत में संभावनाओं को खोज ही रहे थे कि ट्रंप की सत्ता वापसी हुई। माना कि मस्क की टेस्ला कार की कीमत एक करोड़ होगी उस पर भारत में उतना ही टैरिफ लगेगा जिससे यहां कीमत दो करोड़ हो जाएगी। यदि दबाव के चलते कहीं शून्य टैरिफ वाली स्थिति बनी तो वही कार एक करोड़ में भारत में मिलेगी। इससे भारतीय कार बाजार को जबरदस्त चुनौती तय है। यकीनन बात बहुत बिगड़ चुकी है। भारत समझता है कि ट्रंप जब कनाडा, यूरोपीय देशों और चीन को नहीं बख्श रहे तो भारतीय हितों व सम्मान की रक्षा खुद करनी होगी। वहीं, ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें भारत का नाम फिर उन देशों के साथ लिया जिन्होंने अपनी ऊंची शुल्क दर से नरम अमेरिकी नीतियों का फायदा उठाया। अमेरिका आगामी दो अप्रैल से इन देशों पर 'जैसे को तैसा' या 'आंख के बदले आंख' की तर्ज पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा। जो देश जितना टैरिफ अमेरिकी कंपनियों पर लगाएगा, अमेरिका भी उतना ही अपने यहां लगाएगा। इससे भारतीय एक्सपोर्ट महंगा होगा। खाद्य पदार्थ, टेक्सटाइल्स, कपड़े, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल सामग्रियां अमेरिकी बाजार में महंगी होंगी। नतीजन भारतीय उत्पाद वहां अभी जैसे नहीं टिक पाएंगे। 1951 में अमेरिकी संविधान में 22वें संशोधन के बाद कोई भी व्यक्ति दो बार राष्ट्रपति रह सकता है। ट्रंप आखिरी टर्म में वो कर गुजरना चाहते हैं जो इतिहास बने। वहीं, उनके व्यापारी मित्र अपने व्यापारिक हितों में लिपटे दिखते हैं। ट्रंप की मंशा को समझना आसान भी नहीं क्योंकि वो खुद नहीं जानते कि अगले पल क्या कर गुजरेंगे?

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आइपीएल के पहले मैच में आज आमने-सामने होंगे केकेआर -आसीबी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र का पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और उपविजेता रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। इस बार दोनो ही टीमें नये कप्तानों के साथ उतरेंगी। केकेआर की कप्तानी जहां आजिंक्य रहाणे करेंगे, वहीं आरसीबी की कमान रजत पाटीदार संभालेंगे। पिछले साल केकेआर ने जबरदस्त प्रदर्शन कर ट्रॉफी जीती थी। जिसे अब वह बरकरार रखना चाहेगी। दोनों ही टीमों के रिकॉर्ड को देखें तो केकेआर इस मैच में आरसीबी पर भारी पड़ती दिख रही है। इसका कारण है कि केकेआर अपने घरेलू मैदान पर ये मुकाबला खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर काफी संतुलित है पर इसके बाद भी उसके लिए जीतना इतना भी आसान नहीं होगा क्योंकि आरसीबी काफी मजबूत टीम है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाजी

है। पिछले साल केकेआर के लिए खेलने वाले फिल सॉल्ट भी इस बार आरसीसी से खेल रहे हैं और वह केकेआर की रणनीति अच्छी तरह से जानते हैं। इसके अलावा आज तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी आरसीबी इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। आरसीबी को इस बार अपना सपना पूरा करने के लिए पहले ही मैच से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं अंतिम ग्यारह की बात करें तो विराट के साथ साल्ट पारी शुरु कर सकते हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल नंबर तीन पर जबकि पाटीदार नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। टीम जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार को भी अंतिम ग्याहर में शामिल कर सकती है। टीम को हालांकि अनुभवी बल्लेबाज फॉफ डूप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल की कमी खलेगी। रहाणे के लिए इसलिए भी परेशानी है क्योंकि इस बार कोच के तौर पर टीम के पास गौतम गंभीर नहीं हैं। साल्ट के नहीं होने से टीम पारी की शुरुआत सुनील नरेन और क्विंटन डी कॉक से करा सकती है। रहाणे नंबर तीन पर बैटिंग के लिए आ सकते हैं। वेंकटेश अय्यर और रिंकू सिंह की के अलावा टीम को आंद्रे रसेल और रमनदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम के लिए मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतर पैदा कर सकते हैं। उनके अलावा टीम के पास नरेन जैस स्पिनर भी है जो विरोधी पारी को ध्वस्त करने में सक्षम है। वहीं दूसरी ओर आरसीबी के पास विराट , रजत और देवतत्त जैसे बल्लेबाज हैं। पारी की शुरुआत के लिए उसके पास साल्ट जैसा आक्राम बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की बात करें तो उसके पास जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और आसीबी के बीच अभी तक कुल 34 मैच खेले गए हैं। इसमें से 20 मैचों में केकेआर जीती है जबकि 14 में आरसीबी को जीत मिली है।

दोनो की संभावित अंतिम ग्यारहः-

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा/वरुण चक्रवर्ती

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : रजत पाटीदार (कप्तान),फिलिप साल्ट, विराट कोहली , देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा/रसिक डार सलाम

ऋषभ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें : रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल से ठीक लखनऊ सुपर जायंट्स के नये कप्तान ऋषभ पंत को सलाह दी है कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें। रैना का मानना है कि इससे ऋषभ को बेहतर तरीके से पारी समाप्त करने का अवसर मिलेगा। रैना ने कहा कि मुझे लगता है कि यह सत्र ऋषभ के लिए काफी अहम होगा। इसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह छोटे प्रारुप के लिए भी भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेंगे। रैना ने कहा कि अगर आप उनकी कप्तानी देखेंगे, तो वह काफी खुशमिजाज और काफी इनोवेटिव हैं। उनमें वह शांति और चतुर नेतृत्व क्षमता जो कप्तानी के लिए जरुरी है। मैं वास्तव में चाहता हूं कि वह तीसरे नंबर पर खेलें। लेकिन उनकी टीम को देखें, उनके पास निकोलस पूरन, डेविड मिलर और एडेन मार्करम हैं जैसे बल्लेबाज है। ऐसे में मुझे लगता है कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, क्योंकि

तब उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप में काफी गहराई होगी। मैं वास्तव में चाहता हूं कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें, क्योंकि तब शायद वह टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकेंगे। इस क्रिकेटर को पिछले साल की मेगा नीलामी में लखनऊ ने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे वह आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पहले 43 मैचों में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की थी। रैना को यह भी लगता है कि उनके लिए राह आसान नहीं है। टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव, अवेश खान, आकाश दीप और मोहसिन खान अभी तक फिट नहीं हुए हैं। पास हालांकि रवि बिश्नोई जैसा अच्छा स्पिनर है।

हॉकी की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दीपिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ने को तैयार

नई दिल्ली। हाल ही में हॉकी इंडिया असुंता लकड़ा अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला-अंडर 21) से सम्मानित भारतीय महिला हॉकी की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दीपिका अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। हॉकी इंडिया के मुताबिक हरियाणा के हिसार से ताल्लुक रखने वाली 21 वर्षीय दीपिका को इस पुरस्कार के तहत 10 लाख रुपये की नकद राशि भी प्रदान की गई। गोल करने की बेहतरीन क्षमता रखने वाली इस युवा फॉरवर्ड खिलाड़ी ने इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर की। दीपिका ने कहा, "हॉकी इंडिया असुंता लकड़ा अवॉर्ड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला-अंडर 21) जीतना मेरे करियर का एक बड़ा मील का पत्थर है। इस तरह की मान्यता युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायक होती है और यह हमें मैदान पर कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि मेरी यात्रा में शामिल हर व्यक्ति का है, जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने में मदद की, और मैं इस समर्थन प्रणाली के लिए तहे दिल से आभारी हूं।" यह पुरस्कार दीपिका के लिए और भी खास इसलिए था, क्योंकि उसी साल उनके आदर्श, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया को हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) से सम्मानित किया गया। अपने आदर्श सविता पुनिया के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए दीपिका ने कहा, "बहुत

कम उम्र में, जब मुझे यह भी नहीं पता था कि खेल एक पेशा हो सकता है, मैं हिसार ट्रेनिंग सेंटर में भारतीय महिला टीम के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से लौटने पर उनका स्वागत करने जाती थी। खिलाड़ियों के लिए तालियां बजाना और सविता जैसी सितारों को फूलों की माला पहनाना मेरे जीवन के सबसे अनमोल क्षण थे।" दीपिका ने यह भी बताया कि सविता से मिलने के बाद वह अपनी हॉकी स्टिक को खुद से दूर नहीं रखती थीं और अक्सर उसे अपने साथ लेकर सोती थीं, भारतीय जर्सी पहनने का सपना देखती थीं। अब जब उनका यह सपना पूरा हो चुका है, तो उनका अगला लक्ष्य विश्व कप में पोडियम फिनिश और भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए पहला ओलंपिक पदक जीतना है। आने वाले समय को लेकर दीपिका ने कहा, "इस साल हमारे लिए कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं, खासकर महिला एशिया कप जो विश्व कप योग्यता के लिए भी अहम होगा।

आईपीएल में इस बार ओपनिंग करना चाहते हैं नरेन

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार खिलाड़ी सुनील नरेन ने कहा है कि वह इस सत्र में पारी की शुरुआत करना चाहते हैं। नरेन टीम में गेंदबाज के तौर पर काफी पहले से जुड़े थे पर वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर भी चर्चाओं में रहते हैं। रहस्यमी गेंदबाज के तौर पर चर्चित नरेन ने कई आक्रामक पारियां भी खेली हैं। गौतम गंभीर के कोच रहते नरेन लगातार पारी शुरु करते रहे हैं। आईपीएल में सुनील नरेन ने बतौर ओपनर 180 की स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाए हैं। नरेन ने संकेत दिए कि वह इस सत्र में पारी शुरु करना चाहेंगे। आईपीएल 2024 तक नरेन टीम के लिए पिंच हिटर की भूमिका निभाते

रहे हैं पर गंभीर के कार्यकाल में नरेन ने फिल साल्ट के साथ कई यादगार पारियां खेली हैं। नरेन ने कहा कि मैं अपनी टीम की जरूरत और हालात के मुताबिक खेलने को तैयार हूं पर मुझे बतौर ओपनर के तौर पर खेलना काफी पसंद है। बतौर ओपनर 2024 में नरेन ने 56 गेंदों पर 109 रन की पारी खेली। .नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरत के अनुसार उतरेंगे पर इस बात में कोई दो राय नहीं कि मुझे पारी शुरु करना पसंद है। खासकर, पिछला साल मेरे लिए बतौर ओपनर अच्छा रहा, लेकिन मैं अपनी टीम की जरूरतों के हिसाब से बल्लेबाजी क्रम बदलने को तैयार हूं। नरेन लंबे समय से केकेआर का हिस्सा हैं। अब तक कोलकाता नाइट राइडर्स ने 3 बार टाइटल अपने नाम किया है. कोलकाता नाइट राइडर्स की सफलता में नरेन का बड़ा योगदान माना जाता है। वह आईपीएल इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्हें तीन बार प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब मिला है। उनकी यह सफलता उनकी अद्भुत गेंदबाजी और शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन को साबित करती है।

सचिन सहित पूर्व क्रिकेटरों को पेंशन दे रही बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) खेल से संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों की देखभाल और उनके योगदान के प्रति सम्मान देने के लिए खिलाड़ियों को पेंशन भी देती है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सहित सभी खिलाड़ियों को ये पेंशन दी जाती है। ये पेंशन खिलाड़ियों द्वारा खेले गए टेस्ट मैचों की संख्या पर भी निर्भर करती है। यानी, जितने अधिक टेस्ट मैच खेले गए होंगे, पेंशन उतनी ही ज्यादा होगी। यह योजना क्रिकेटरों की लंबी सेवा और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए लागू की गई है। सचिन को बीसीसीआई की ओर से हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। यह राशि उनकी क्रिकेट यात्रा और उनकी उपलब्धियों को देखते हुए तय की गई है। सचिन के अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों को भी बीसीसीआई की ओर से

पेंशन दी जाती है। जैसे कि युवराज सिंह को हर महीने 60,000 रुपये की पेंशन मिलती है, जबकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली को हर महीने 52 हजार की राशि मिलती है। यह पेंशन योजना उन खिलाड़ियों के लिए एक सम्मान के रूप में देखी जाती है, जिन्होंने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए अहम योगदान दिया है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी बीसीसीआई अपने पूर्व खिलाड़ियों की आर्थिक सुरक्षा तय करने के लिए जारी रखे हुए हैं। इसका कारण है कि कई पूर्व क्रिकेटर आर्थिक तौर पर सक्षम नहीं है।

व्यापार

फ्लिपकार्ट देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स का तेजी से कर रहा है विस्तार

नई दिल्ली। ऑनलाइन शॉपिंग के लिए प्रमुख भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट अपने प्लेटफॉर्म का विस्तार टियर-1 के साथ ही टियर-2 और टियर-3 शहरों में तेजी के साथ कर रही है, ताकि इस ऐप के जरिए ग्राहक घर बैठकर आराम से अपने मनपसंद भाषा में खरीदारी कर सकेंगे। डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के साथ अपनी सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) का विस्तार फ्लिपकार्ट ने किया है, जिससे देशभर में तेजी से और अधिक कुशलता से डिलीवरी संभव हुई है।इसके अलावा कंपनी ने विक्रेताओं को और अधिक सहयोग प्रदान करने के लिए फ्लिपकार्ट ने कई सुविधाएं शुरू की हैं। फ्लिपकार्ट प्राइवेट लिमिटेड के विस्तार और खरीदारी की जरूरतों को पूरा करने वाले भरोसेमंद ऐप के बारे में ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट के बिजनेस हेड साकेत चौधरी ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत की। ऐसे में आइए जानते हैं कि उन्होंने फ्लिपकार्ट की भविष्य की योजना को लेकर क्या-क्या बताया....

टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स का विस्तार और इस दिशा में फ्लिपकार्ट की अनूठी पहल क्या है- देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों का तेजी से हो रहा विस्तार इन क्षेत्रों में बढ़ते डिजिटल एडॉप्शन (स्वीकार्यता) और उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकता को दर्शाता है। फ्लिपकार्ट ने भी इस बदलाव को संभव बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके लिए हमने अपने लॉजिस्टिक्स, तकनीक और विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र (सेलर्स इकोसिस्टम) मजबूत किया है, ताकि सभी तक आसान पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। इन प्रमुख क्षेत्रों में फुलफिलमेंट सेंटर, सॉर्टेशन हब और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के साथ अपनी सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) का विस्तार फ्लिपकार्ट ने किया है, जिससे देशभर में तेजी से और अधिक कुशलता से डिलीवरी संभव हुई है। भारत को ध्यान में रखकर तैयार मैपिंग, जियोकोडिंग और एजीवी जैसे समाधान से दूरदराज में सटीक डिलीवरी सुनिश्चित होती है। अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कितने ग्राहकों को मौका देता है फ्लिपकार्ट? फ्लिपकार्ट 14 लाख विक्रेताओं को ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने का मौका देता है, जिससे मार्केटिंग या डिस्ट्रीब्यूशन के लिए बड़ा निवेश किए बिना ही उन्हें अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलती है। इन विक्रेताओं में से कई टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं। डिजिटल पेमेंट के बढ़ने, पारंपरिक व्यवसायों के डिजिटल होने और कंपनी के सतत नवाचार के दम पर भारत का ई-कॉमर्स परिदृश्य आगे और भी तेजी से विकास करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही एक घरेलू मार्केटप्लेस के रूप में फ्लिपकार्ट समावेशी आर्थिक विकास को गति देने और पूरे भारत में ई-कॉमर्स की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एआई और डेटा एनालिसिस से ई-कॉमर्स पर कैसे प्रभाव पड़ रहा है- सप्लाई चेन में एफिशिएंसी (दक्षता) और पर्सनलाइजेशन (वैयक्तिकरण) को बढ़ावा देते हुए एआई और डेटा एनालिटिक्स ई-कॉमर्स परिदृश्य में बदलाव ला रहे हैं। मांग को लेकर पूर्वानुमान एवं इंटेलीजेंट तरीके से इन्वेंटरी मैनेजमेंट से लेकर रियल टाइम रूट ऑप्टिमाइजेशन एवं फ्रॉड डिटेक्शन (धोखाधड़ी की पहचान) करने तक एआई की मदद से हम

बड़े पैमाने पर बेहतर तरीके से निर्णय ले सकते हैं। फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स ऑपरेशंस को बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को ऑप्टिमाइज करने और ग्राहकों एवं विक्रेताओं के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए एआई एवं मशीन लर्निंग का लाभ उठा रहा है। एआई-संचालित जियोकोडिंग और एड्रेस इंटेलिजेंस की मदद से पते में किसी भी तरह की खामी को ठीक किया जाता है, जिससे तेज और अधिक सटीक डिलीवरी संभव होती है। दूसरी ओर, फुलफिलमेंट सेंटर पर ऑटोमेटेड गाइडेड व्हीकल्स (एजीवी) की मदद से सॉर्टिंग बेहतर होती है, जिससे ज्यादा मांग वाले समय में तेज और सटीक निर्णय सुनिश्चित हो पाता है। एआई-संचालित कैटलॉगिंग, ऑनबोर्डिंग और लिस्टिंग समाधान विक्रेताओं के लिए संचालन को आसान बनाते हैं, ई-कॉमर्स की दुनिया में कदम रखने की बाधाओं को कम करते हैं और डिजिटल सिस्टम की स्वीकार्यता को गति देते हैं। इसके अतिरिक्त, एआई-संचालित इनसाइट्स उत्पादों की गुणवत्ता को पहचानने और इन्वेंट्री मैनेजमेंट को ऑप्टिमाइज करने, रिटर्न को कम करने और उपलब्धता में सुधार में मदद करते हैं। फ्लिपकार्ट किन क्षेत्रों में एआई का लाभ उठा रहा और यह कितना प्रभावी रहा है?ग्राहकों की नजर से देखें, तो उत्पादों की तस्वीर एवं विवरण तैयार करके जनरेटिव एआई कैटलॉगिंग में क्रांति ला रहा है। इससे पारंपरिक तरीके से फोटोशूट कराने की आवश्यकता समाप्त हो गई है। एआई ग्राहकों के लिए खरीदारी के उनके सफर को पर्सनलाइज बनाता है। उन्हें उनकी जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट रिकमेंड किए जाते हैं। साथ ही, बहुभाषी इंटरफेस (12 क्षेत्रीय भाषाएं) और वर्चुअल ट्राई-ऑन व स्किन एनालाइजर जैसे इंटरैक्टिव टूल भी प्रदान किए जाते हैं, जिससे फैशन और ब्यूटी शॉपिंग का अनुभव बेहतर होता है। इसके अलावा, एआई-संचालित मैपिंग तकनीक से ट्रकों को रियल टाइम में ट्रैक किया जाता है, जिससे बिना किसी बाधा के सप्लाई चेन मैनेजमेंट संभव होता है। एआई में इस प्रगति से दक्षता में सुधार आया है, लागत कम हुई है और ज्यादा स्मार्ट एवं समावेशी डिजिटल शॉपिंग इकोसिस्टम बना है। इससे भारत के ई-कॉमर्स परिदृश्य में फ्लिपकार्ट के नेतृत्व को मजबूती मिली है।

व्यापार एवं मार्केट डायनामिक्स पर कैसे प्रभाव पड़ रहा है- ई-कॉमर्स ने छोटे और मध्यम व्यवसायों (एमएसएमई) के विकास में मदद की है, जिससे वे अपनी पहुंच बढ़ा सके, कामकाजी तरीके को बेहतर बना सके और भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दे सके। तकनीक एवं नवाचार का लाभ उठाकर एमएसएमई अब महानगरों के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 शहरों के ग्राहकों से जुड़ सकते हैं, राजस्व के नए अवसर तलाश सकते हैं और बड़ी पूंजी का निवेश किए बिना ही अपने व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं। अपने प्लेटफॉर्म पर 14 लाख विक्रेताओं के साथ फ्लिपकार्ट उन्हें देशभर के ग्राहकों तक आसान पहुंच प्रदान करता है। साथ ही स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तैयार समाधानों, तकनीक आधारित नवाचार एवं डेटिकेटेड सेलर सपोर्ट के माध्यम से उन्हें अपने व्यवसायों को बढ़ाने में मदद करता है। इससे ज्यादा से ज्यादा ग्राहक ऑनलाइन शॉपिंग की ओर रुख कर रहे हैं।

विक्रेताओं के लिए शुरू की गईं सुविधाएं- फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्रामः- यह एक समर्पित पहल है, जो कारीगरों, बुनकरों और उपेक्षित उद्यमियों को ऑनलाइन सफल होने के लिए ऑनबोर्डिंग समर्थन, प्रशिक्षण और बाजार की जानकारी प्रदान करती है।

एआई-संचालित कैटलॉगिंगः- यह तकनीक द्वारा संचालित समाधान है, जो प्रोडक्ट लिस्टिंग को आसान बनाता है एवं कैटलॉग की गुणवत्ता को बढ़ाता है, जिससे विक्रेता अपने उत्पादों को पेशेवर तरीके से प्रदर्शित कर पाते हैं।

विक्रेता कॉन्क्लेवः- ये ऐसे नॉलेज-शेयरिंग प्लेटफॉर्म हैं, जो उद्यमियों को इंडस्ट्री ट्रेंड, कंज्यूमर इनसाइट्स और व्यवसाय को ऑप्टिमाइज करने के लिए जरूरी उपकरण से लैस करते हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो ने मानकीकरण के लिए वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 शुरू किया

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च मानक निकाय भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मानकीकरण का वार्षिक कार्यक्रम (एपीएस) शुरू किया है। यह पहल विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के लिए नए मानक तैयार करने और मौजूदा मानकों को संशोधित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एपीएस की शुरुआत 5 से 11 मार्च, 2025 तक आयोजित व्यापक हितधारक परामर्श के बाद हुई है, जिसमें 40 मंत्रालयों और 84 उद्योग संघों के प्रतिनिधि शामिल थे। बीआईएस ने एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी पेश किया है, जो हितधारकों को मानकों का प्रस्ताव करने और उनकी प्रगति पर नजर रखने की अनुमति देता है। इसका उद्देश्य 23,000 से अधिक बीआईएस मानकों को अधिक से अधिक अपनाने में मदद करना है। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हितधारकों से मानकीकरण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से योगदान देने और जहां जरूरी हो वहां विशेषज्ञों को नामित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, "यह पहल मानकीकरण के लिए एक रणनीतिक, आवश्यकता-आधारित दृष्टिकोण सुनिश्चित करेगी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए

व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देगी।" बीआईएस मानकीकरण प्रकोष्ठों के माध्यम से मंत्रालयों और उद्योग संघों के साथ मिलकर काम करता है, जिसका उद्देश्य कमियों की पहचान करना और राष्ट्रीय मानकों के निर्माण में भाग लेना है। वर्ष 2025-26 के लिए एपीएस तैयार करने के लिए परामर्श बैठकों से पहले, बीआईएस ने 24 अगस्त से 25 जनवरी तक फोकस समूह बैठकों की एक श्रृंखला के साथ-साथ भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं और मिशनों के विरुद्ध भारतीय मानकों का व्यापक समन्वय अभ्यास किया। एपीएस 2025-26 से प्राथमिकता मानकों के बनाने में उल्लेखनीय वृद्धि होने, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में व्यापक रूप से अपनाने और निर्बाध कार्यान्वयन को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

चेन्नई प्लांट का इस्तेमाल फोर्ड इंजन और पार्ट्स के निर्यात के लिए करेगा

नई दिल्ली। अमेरिकी कंपनी फोर्ड अपने चेन्नई स्थित प्लांट का इस्तेमाल इंजन और ऑटोमोबाइल पार्ट्स के निर्माण और निर्यात के लिए करेगी। जानकारी के मुताबिक, फोर्ड ने इस योजना को अंतिम रूप दे दिया है और इसका आधिकारिक ऐलान 2025 की दूसरी तिमाही में किया जाएगा। फोर्ड ने सितंबर 2021 में भारत में अपना कारोबार बंद कर दिया था। इसके बाद से ही चेन्नई के मराईमलाई स्थित प्लांट 2022 से बंद पड़ा है। हाल ही में इस प्लांट को फिर से शुरू करने की चर्चा जोरों पर थी, लेकिन अटकलें लगाई जा रही थीं कि अमेरिका में ट्रम्प सरकार की संभावित नीतियों और भारत में इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की योजनाओं के कारण फोर्ड अपनी भारत वापसी की योजना रद्द कर सकता है। हालांकि, भारतीय

सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि कंपनी की योजना अभी भी लागू होगी। फोर्ड ने 1995 में भारत में अपने ऑपरेशंस शुरू किए थे और एक समय पर उसके चेन्नई प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2 लाख वाहनों की थी, जबकि साणंद प्लांट में 2.4 लाख वाहनों और 2.7 लाख इंजनों का निर्माण किया जाता था। चेन्नई प्लांट में इकोस्पोर्ट और एंडेवर जैसी एसयूवी बनाई जाती थीं, जबकि साणंद प्लांट में एस्पायर और फिगो फ्रीस्टाइल का निर्माण होता था। अब फोर्ड अपनी भारत में मौजूद सुविधाओं का उपयोग नए तरीके से करेगी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ हुआ बंद, सेंसेक्स 557 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 557.45 अंक यानी 0.73 फीसदी की उछाल के साथ 76,905.51 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 159.75 अंक यानी 0.69 फीसदी बढ़कर 23,350.40 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में आज ताजा विदेशी फंड प्रवाह और बैंक शेयरों में बढ़त के कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को करीब 1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि लगातार पांचवें दिन बढ़त के साथ शेयर बाजार बंद हुआ। कारोबार के अंत में आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी रही है, जबकि 5 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों

में से 38 शेयरों में तेजी दिखी, जबकि 12 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स में शामिल प्रमुख कंपनियों में सबसे ज्यादा एनटीपीसी के 3.09 फीसदी, बजाज फाइनेंस के 2.62 फीसदी और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 2.14 फीसदी चढ़े। इसके अलावा नेस्ले, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, अडानी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व में बढ़त रही। हालांकि, महिंद्रा, टाटा स्टील, इंफोसिस, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयरों में एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली।

'महिलाएं कभी बूढ़ी नहीं होतीं :मलाइका अरोड़ा

बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने 50 का आंकड़ा पार कर लिया है। उनकी खूबसूरती और फिटनेस देखकर यह यकीन करना मुश्किल है कि वह 51 साल की हो गई है।अपने जन्मदिन के खास मौके पर मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर एक प्रेरणादायक पोस्ट शेयर की।उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, महिलाएं कभी बूढ़ी नहीं होतीं। उन्होंने आगे कहा कि 40 की उम्र में महिलाएं शक्तिशाली होती हैं, 50 में खूबसूरत, 60 में सेक्सी और 70 में आत्मविश्वास से भरपूर। उनके मुताबिक, उम्र के साथ महिलाओं की खूबसूरती और आत्मनिर्भरता बढ़ती जाती है। उन्होंने यह भी लिखा कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाएं खुद को अधिक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर महसूस करती हैं, जो बेहद खूबसूरत होता है। मलाइका का यह नजरिया न सिर्फ उनके फैंस बल्कि उन तमाम महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन सकता है, जो बढ़ती उम्र को लेकर चिंतित रहती हैं। मलाइका ने हमेशा खुद को फिट और स्टाइलिश बनाए रखा है। योग, वर्कआउट और हेल्दी डाइट उनके लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा हैं। यही वजह है कि वह हर उम्र में ग्लैमरस और आकर्षक दिखती हैं। बॉलीवुड में मलाइका हमेशा से अपनी बोल्ड और ग्लैमरस इमेज के लिए जानी जाती हैं। चाहे उनका आइकॉनिक छैंया छैंया डांस नंबर हो या फिर उनका फैशन सेंस, मलाइका ने हमेशा सुर्खियां बटोरी हैं।उनका कहना है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और असली खूबसूरती आत्मविश्वास में होती है। मलाइका अरोड़ा का यह आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच न सिर्फ उनके फैंस बल्कि हर उम्र की महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है। उनकी यह सोच साबित करती है कि उम्र बढ़ने के साथ भी महिलाओं की खूबसूरती और आत्मनिर्भरता कभी कम नहीं होती, बल्कि और निखरती है। बता दें कि एक्ट्रेस मलाइका न सिर्फ अपनी स्टाइल और लुक्स से लोगों को इंप्रेस करती हैं, बल्कि फिटनेस और आत्मविश्वास के मामले में भी यंग एक्ट्रेसेस को कड़ी टक्कर देती हैं। उनकी स्किन ग्लो और परफेक्ट फिगर उनकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का नतीजा है।

'द डिप्लोमैट' का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल, अब तक 19.10 करोड़ रुपये का कारोबार

अभिनेता जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह हो चुका है, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है। निर्माताओं को इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही है। स्थिति यह है कि फिल्म अब तक अपने बजट का आधा हिस्सा भी नहीं निकाल पाई है, जो एक बड़ी चिंता का विषय बन चुका है। अब यह देखने वाली बात होगी कि क्या आने वाले हफ्तों में फिल्म का प्रदर्शन सुधरता है या यह फ्लॉप साबित होती है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' ने रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 1.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस आंकड़े के साथ फिल्म का कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब तक 19.10 करोड़ रुपये हो चुका है। हालांकि, फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये है और अब तक यह अपनी लागत का आधा हिस्सा भी वसूल नहीं कर पाई है। फिल्म का निर्देशन शिवम नायर ने किया है और इसमें सादिया खतीब, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी जैसे सशक्त कलाकारों ने भी अभिनय किया है। 'द डिप्लोमैट' की कहानी भारतीय डिप्लोमैट जेपी सिंह के जीवन पर आधारित है, जिनका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है, जिसमें दिल्ली की रहने वाली उज्मा अहमद की दोस्ती ऑनलाइन एक पाकिस्तानी शख्स से होती है। बाद में वह शख्स से मिलने के लिए पाकिस्तान जाती है, लेकिन वहां उसे एक भयावह स्थिति का सामना करना पड़ता है। पाकिस्तानी शख्स उज्मा से जबरदस्ती शादी करता है और उसे कैद कर लेता है। इस गंभीर परिस्थिति में उज्मा की मदद करने के लिए भारतीय डिप्लोमैट जेपी सिंह (जिनका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है) सामने आते हैं। वह उज्मा को पाकिस्तान से भारत वापस लाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करते हैं और अपनी जान की परवाह किए बिना उसे छुड़ाने के लिए संघर्ष करते हैं। फिल्म में भारतीय और पाकिस्तानी रिश्तों को लेकर एक दिलचस्प संघर्ष दिखाया गया है, जिसमें प्रेम, भरोसा और साहस की महत्वपूर्ण भूमिका है।

आमिर खान की बहन निखत ने की गौरी स्प्रैट की तारीफ

आमिर खान इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट को मीडिया से मिलवाया, जिससे यह जोड़ी और भी ज्यादा चर्चा में आ गई। आमिर पिछले एक साल से गौरी को डेट कर रहे हैं, लेकिन वे उन्हें 25 साल से भी ज्यादा समय से जानते हैं। गौरी ने आमिर के परिवार से भी मुलाकात की है और इस रिश्ते को लेकर किसी को भी कोई ऐतराज नहीं है। अब आमिर की बहन निखत खान हेगड़े ने गौरी की जमकर तारीफ की है। निखत खान हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'L2: एम्पुरान' को लेकर

चर्चा में हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचने के दौरान उन्होंने आमिर खान और उनकी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के रिश्ते पर भी प्रतिक्रिया दी। निखत ने कहा, "हम लोग बहुत खुश हैं आमिर के लिए और गौरी के लिए भी, क्योंकि वह बहुत अच्छी इंसान हैं और हम बहुत चाहते हैं कि ये दोनों हमेशा-हमेशा के लिए खुश रहें।" निखत की बातों से साफ जाहिर होता है कि परिवार इस रिश्ते को लेकर पूरी तरह से सकारात्मक और खुश है। आमिर खान की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे, आइरा खान और जुनैद खान, हुए थे। हालांकि, 16 साल बाद उनका तलाक हो गया था। इसके बाद, आमिर ने किरण राव से शादी की थी, जिनसे उन्हें एक बेटा आदाज हुआ। आमिर और किरण की मुलाकात फिल्म 'लगान' के सेट पर हुई थी, जहां किरण सहायक निर्देशक के रूप में जुड़ी हुई थीं। जुलाई, 2021 में आमिर और किरण ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया और दोनों की राहें जुदा हो गईं। अब आमिर अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ एक नई शुरुआत कर रहे हैं, और उनके रिश्ते को परिवार और दोस्त पूरी तरह से स्वीकार कर रहे हैं।

ईशा देओल को है कुछ प्रोजेक्ट्स ठुकराने का अफसोस

मशहूर एक्ट्रेस हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बिटिया एवं एक्ट्रेस ईशा देओल ने स्वीकार किया है कि कुछ प्रोजेक्ट्स को ठुकराने पर उन्हें अफसोस है। उनके मुताबिक, कुछ फिल्मों के ऑफर्स ऐसे थे जो उनके करियर में चार चांद लगा सकते थे, जैसे कि रोहित शेट्टी और अजय देवगन की फिल्म गोलमाल और हिट गाना बीड़ी जलइले। ये ऑफर्स पहले उन्हें मिले थे, लेकिन उन्होंने इनको ठुकरा दिया। अपने आने वाली फिल्म तुमको मेरी कसम के प्रमोशन के दौरान ईशा देओल ने कहा कि इन फैसलों के पीछे घमंड नहीं था। उनका कहना था, मैं इतनी घमंडी नहीं थी। मैं एक बहुत सीधी-सादी और मासूम लड़की थी। ईशा ने बताया कि उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर्स ठुकराए, जिनमें कई कारण थे, कुछ फिल्मों के लिए डेट्स उपलब्ध नहीं थीं, कुछ रोल्स उन्हें सही नहीं लगे, और कुछ फिल्मों में परिवार की वजह से वे सहज महसूस नहीं कर पाईं। ईशा देओल ने बताया कि जब वे करियर के शुरुआती दिनों में थीं, तो उन्होंने अपने फैसलों को काफी सोच-समझकर लिया था, लेकिन अब उन्हें लगता है कि कुछ फिल्मों को करना चाहिए था। अब वह इस पर पछताती हैं। ईशा ने गोलमाल (2006) और ओमकारा (2006) के गाने बीड़ी जलइले का ऑफर ठुकराया था। यह गाना बाद में बिपाशा बसु को मिला, जिन्होंने इसमें शानदार काम किया। ईशा ने इस गाने के बारे में कहा, बिपाशा ने इस गाने में बेहतरीन काम किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें इस फैसले का पछतावा है, तो उन्होंने कहा, बिल्कुल! हर कोई ऐसा करता, मैं भी सिर पीट रही हूं। इसका मतलब था कि अब वह अपने फैसले पर अफसोस करती हैं और सोचती हैं कि यह अवसर उन्हें नहीं गंवाना चाहिए था। ईशा देओल ने अजय देवगन की वेब सीरीज रुद्र: द ऐज ऑफ डार्कनेस और सुनील शेट्टी की सीरीज हंटर: टूटेगा नहीं, तोड़ेगा से ओटीटी प्लेटफार्म पर डेब्यू किया था। अब वह फिर से बड़े पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। ईशा की आखिरी फिल्म किल देम यंग (2015) थी। अब वह एक नई फिल्म तुमको मेरी कसम में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित की जा रही है, जिसमें ईशा देओल के साथ ईश्वक सिंह मुख्य भूमिका में होंगे। यह फिल्म डॉ. अजय मुरदिया के जीवन पर आधारित है, जो इंदिरा आईवीएफ नामक फर्टिलिटी क्लीनिक के संस्थापक थे। फिल्म में अनुपम खेर और अदा शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।यह फिल्म 21 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे लेकर ईशा के फैंस बहुत उत्साहित हैं। बता दें कि ईशा देओल ने अपने करियर की शुरुआत 2002 में फिल्म कोई मेरे दिल से पूछे से की थी। इसके बाद उन्होंने लगभग 25 फिल्मों में काम किया, जिनमें धूम, नो एंट्री, दस, और युवा जैसी हिट और शानदार फिल्में शामिल हैं।

विजय वर्मा से ब्रेकअप की अफवाहों के बाद तमन्ना भाटिया को मिला शादी का प्रस्ताव

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने वाली अभिनेत्री तमन्ना भाटिया हमेशा अपने काम के लिए चर्चा में रहती हैं। इस समय वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। तमन्ना पिछले दो सालों से अभिनेता विजय वर्मा को डेट कर रही थीं, लेकिन हाल ही में खबरें आई हैं कि दोनों के बीच ब्रेकअप हो गया है। विजय वर्मा से रिश्ते का अंत होने के बाद, एक युवक ने अभिनेत्री को शादी का प्रस्ताव दे दिया, जिससे यह मामला और भी दिलचस्प हो गया है। तमन्ना भाटिया हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में शामिल हुई थीं, जहां उनके प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। इसी दौरान, भीड़ में से एक युवक ने उन्हें शादी के लिए प्रस्ताव दे दिया। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें तमन्ना अपने फैन्स से मिल रही हैं और उनके साथ सेल्फी ले रही हैं। तभी उनकी नजर एक व्यक्ति पर पड़ी, जिसने एक पोस्टर पकड़ा हुआ था, जिसमें तमन्ना की तस्वीर के साथ लिखा था, "मुझसे शादी करो तमन्ना।" यह पोस्टर देखकर तमन्ना मुस्कुरा उठी और उन्होंने उस प्रशंसक

से बातचीत की। इस मौके पर तमन्ना सफेद गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने कभी भी अपने रिश्ते को छुपाने की कोशिश नहीं की और हमेशा एक-दूसरे के प्रति अपने प्यार को खुले तौर पर जाहिर किया है। दोनों 2022 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। इस जोड़ी ने नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज 2' में सुजॉय घोष के सेगमेंट में साथ काम किया था। तमन्ना ने जून, 2023 में एक साथ एक साक्षात्कार में विजय के साथ अपने रिश्ते की पुष्टि की और इसके बाद विजय वर्मा ने भी अपने रिश्ते की घोषणा की थी। अब दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं, लेकिन अभी तक किसी ने भी इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

तलाक की अर्जी से खुलासा, शादी के दो साल बाद अलग हो गए थे युजवेंद्र और धनश्री

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों चर्चा में हैं, क्योंकि दोनों के बीच अलग होने की अटकलें काफी समय से मीडिया में थीं। अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने युजवेंद्र और धनश्री के तलाक पर फैसला सुनाया और दोनों कानूनी रूप से अलग हो गए हैं। युजवेंद्र और धनश्री ने 2020 में शादी की थी, लेकिन अब करीब चार साल बाद उनका रिश्ता समाप्त हो गया है। अब दोनों के अलग होने को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की तलाक की अर्जी के अनुसार यह जोड़ी शादी के दो साल बाद ही अलग हो गई थी। दरअसल, युजवेंद्र और धनश्री की पहली मुलाकात साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान हुई थी। लॉकडाउन में एक-दूसरे से मिलने के बाद दोनों की दोस्ती हुई, जो जल्द ही प्यार में बदल गई। इसके बाद दिसंबर, 2020 में धनश्री और चहल ने शादी के बंधन में बंधने का निर्णय लिया था। युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा ने 5 फरवरी, 2025 को फैमिली कोर्ट में आपसी सहमति से तलाक की अर्जी दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार युजवेंद्र को एलिमनी के तौर पर

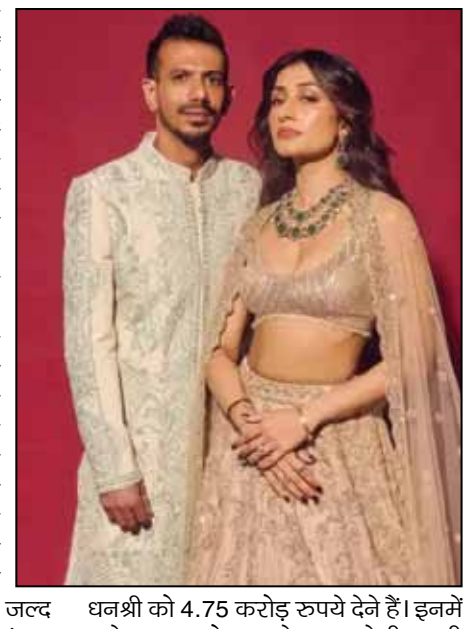

धनश्री को 4.75 करोड़ रुपये देने हैं। इनमें से 2.37 करोड़ रुपये वह पहले ही धनश्री को दे चुके हैं। कोर्ट में दिए गए बयान में युजवेंद्र और धनश्री ने कहा था कि उनके बीच आपसी तालमेल नहीं था और इस कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था, जिसके बाद उन्होंने तलाक का निर्णय लिया।

BREAKING NEWS

Hasan Nawaz scores fastest T20I century for Pakistan

Sports: Young Pakistan batter Hasan Nawaz etched his name into the history books on Friday, becoming the fastest Pakistani to score a century in T20 Internationals. The 22-year-old right-hander achieved the remarkable milestone in just 44 balls during the third T20I against New Zealand at Eden Park, Auckland. Nawaz's blistering knock saw him smash 10 fours and 7 towering sixes, showcasing his power-hitting ability in a high-stakes run chase. After being put into bat by Pakistan skipper Salman Agha, New Zealand posted a challenging total of 204.

Chasing 205, Pakistan got off to a flying start with an explosive 74-run opening stand. Wicketkeeper-batter Mohammad Haris played a fiery knock, scoring 41 off just 20 balls, laced with 4 fours and 3 sixes, before being dismissed. Nawaz, however, took control of the chase and found a solid partner in Agha Salman (51).* The duo dominated the Kiwi bowling attack, remaining unbeaten to guide Pakistan to a commanding 9-wicket victory. Nawaz finished on 105 not out, sealing the win in style.

Disha Salian father lawyer claims eyewitnesses against Aaditya Thackeray

The lawyer of Disha Salian's father claimed there were eyewitnesses who had seen actors Aditya Pancholi and Dino Morea and Shiv Sena (UBT) MLA Aaditya Thackeray and his bodyguards gang-raping the celebrity manager. Advocate Nilesh Ojha said he had full trust in Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis, but not in the Special Investigation Team probing Disha's death. The allegations by Disha's father, who has approached the Bombay High Court with a fresh petition seeking a probe into her death, have become the latest flashpoint between the ruling Mahayuti and the Shiv Sena (UBT). "More than ample evidence, there are eyewitnesses who have seen Aditya Pancholi, Dino Morea, Aaditya Thackeray and his bodyguards gang-raping the victim," Ojha said.

Disha, a former manager of the late actor Sushant Singh Rajput, died on June 8, 2020, after falling from a high-rise in Mumbai. Police then registered an Accidental Death Report (ADR) case.

Top Gainers Of The Day

ONGC	₹246.15	(4.48%)
BPCL	₹283.86	(4.31%)
Coal India	₹409.85	(3.34%)

Top Losers Of The Day

Hindalco	₹695.15	(10.80%)
IndusInd Bank	₹674.40	(9.70%)
Infosys	₹1593.55	(22.00%)

SENSEX ▲0.73%	NIFTY ▲0.69%
76905.51	23350.4

AAP makes Manish Sisodia Punjab affairs in-charge

In a major restructuring of Aam Aadmi Party (AAP), senior AAP leader Manish Sisodia was on Friday appointed the party's incharge for Punjab while Satyendra Jain was given the role of co-incharge. A meeting of the party's Political Affairs Committee was held at the house of AAP convener Arvind Kejriwal here, where a series of key decisions were taken. Former Delhi minister Saurabh Bharadwaj, who recently lost the Delhi Assembly election from Greater Kailash was appointed the party's convener for Delhi, replacing Gopal Rai. Rai, meanwhile, has been made in-charge of Gujarat. For Goa and Jammu and Kashmir, Pankaj

Gupta and Mehraj Malik, respectively, were given the key responsibilities. Announcing the key decisions, AAP MP Sandeep Pathak said a discussion was also held on the BJP's poll promises for Delhi. "The way the Prime Minister had claimed that Rs 2,500 would be deposited in every woman's account after the first cabinet meeting.... This is unfortunate for the country's politics...

Union minister slams Allahabad HC's *'grabbing breasts not rape attempt'* ruling, calls for SC intervention

Agency

Union minister for women and child development Annapurna Devi on Friday strongly criticised the Allahabad high court's recent ruling, which downgraded charges in a case involving the sexual assault of an 11-year-old girl in Uttar Pradesh's Kasganj and said that grabbing breasts and snapping pyjama string is not an attempt to rape. The minister called on the Supreme Court to take urgent notice of the verdict, arguing that such a decision has "no place in a civilised society," reported PTI. "I am completely against this decision and the Supreme Court should take serious note of it," Devi was quoted by the news agency PTI. She further warned that such a ruling could send a dangerous message to society, potentially undermining efforts to protect women and children from sexual violence. "Somewhere, this will have a negative impact on society and we will discuss this matter further," she added. The case involves two men, Pawan and Akash, who allegedly grabbed the minor's breasts, tore her pyjama string, and attempted to drag her under a culvert while she was walking with her mother. Initially, they were charged under Section 376 of the IPC (rape) and relevant sections of the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act. However, the Allahabad high court ruled that their actions did not constitute rape or an attempt to rape but instead fell under the lesser charge of aggravated sexual assault, punishable under Section 354(B) IPC and Section 9(m) of the POCSO Act. The high court's ruling was based on the argument that an attempt to commit rape must go beyond mere preparation and demonstrate

a "greater degree of determination." The court noted that there was no evidence to suggest that the accused intended to commit rape and said, "There is no allegation that the accused tried to commit penetrative sexual assault against the victim." Instead, the court directed that the accused be tried under lesser charges.

Sudan Army recaptures presidential palace after two years of war

Sudan's military said on Friday it retook the Republican Palace in Khartoum, the last heavily guarded bastion of rival paramilitary forces in the capital, after nearly two years of fighting. Social media videos showed its soldiers inside giving the date as the 21st day of Ramadan, the holy Muslim fasting month, which corresponds to Friday. A Sudanese military officer wearing a captain's epaulettes made the announcement in the video, and confirmed the troops were inside the compound. The palace appeared to be partly in ruins, with soldiers' steps crunching broken tiles underneath their boots. Soldiers carrying assault rifles and rocket-propelled grenade launchers chanted: "God is the greatest!" Khaled al-Aiser, Sudan's information minister, said the military had retaken the palace in a post on the social platform X. "Today the flag is raised, the palace is back and the journey continues until victory is complete," he wrote. The fall of the Republican Palace, a compound along the Nile River that was the seat of government before the war erupted and is immortalized on Sudanese banknotes and postage stamps, marks another battlefield gain for Sudan's military. It has made steady advances in recent months under army chief Gen. Abdel-Fattah Burhan. It means the rival Rapid Support Forces, under Gen. Mohammed Hamdan Dagalo, have been mostly expelled from the capital of Khartoum after Sudan's war began in April 2023.

Rahul Gandhi slams 'flawed' merit system, calls for caste census

Former Congress president Rahul Gandhi has discussed the need for a caste census with Sukhdeo Thorat, former chairman of the Indian Council of Social Science Research and the University Grants Commission. In a conversation with Thorat, Rahul Gandhi asks: Why are people so much against a caste census? What don't they like about it? "There is certainly a capture of our system: the education system, the healthcare system, the political system, the bureaucratic system. So for me, it is important that the truth of what is going on in India with regard to who has what access, who controls which institutions, who is where? To me, that is a fundamental nationalist

exercise. I don't think... I think it is not supporting the caste census is actually anti-national because what you are saying is that we are not ready to accept the truth of what is going on in our country. So I am quite wedded to the idea of a caste census. I think we need to reiterate it further, we need to deepen it, and we need to make it more sophisticated, and that is why, you know, you have the committee there. I think it needs to be broad-based," he says. During the interaction, he says, "The history of the tribals, OBCs has just been eliminated." On the caste census, Congress leader Rahul Gandhi said, I have had discussions with people about the caste census where I am saying look all we are doing is exposing the truth. Nothing else. And they will say to me directly that no one must not expose this truth. "Why not? Right, that unfairness is taking place in front of your face. You have got the Constitution that says all Indians are equal. It is absolutely crystal clear what is going on and you just don't want to accept it," he says. Rahul also says that the concept of merit in the country is "completely flawed" because the backward communities are not connected to it.

Supreme Court begins probe after cash found at Delhi High Court judge's home

The Supreme Court has initiated a probe into allegations against a Delhi High Court judge after a significant amount of cash was recovered from his official residence following a fire incident. The top court has sought a report from the Chief Justice of the Delhi High Court regarding the matter. Justice Yashwant Verma was recently transferred back to his parent court, the Allahabad High Court, following the Supreme Court Collegium's recommendation. This move came after a large amount of cash was recovered from his bungalow after a fire incident. According to legal experts, whenever allegations of misconduct arise against a High Court judge, the Chief Justice of the respective High Court is required to submit a report. If allegations are made against a Supreme Court judge, an in-house committee is formed directly on the initiative of the Chief Justice of India. Similar procedures were followed in past cases involving Justice Shekhar Yadav of the Allahabad High Court and former Calcutta High Court judge Justice CS Karnan. After receiving the

information about the matter, CJI Sanjiv Khanna convened a meeting of the Collegium. It was unanimously decided to transfer Justice Verma back to Allahabad High Court, where he previously served till October 2021. Some judges of the Collegium voiced concern that merely transferring Justice Verma would tarnish the judiciary's image and erode public confidence in the legal system. They sought Justice Verma's resignation voluntarily.

Apple's first foldable phone said to cost twice as much as iPhone 16 Pro Max

Apple is reportedly working on its first foldable iPhone, and while the company has yet to confirm anything, new details about its pricing and features have started to emerge. According to analysts, the foldable iPhone could come with a hefty price tag, making it the most expensive iPhone ever. In a recent investor note, Barclays analyst Tim Long suggested that Apple's foldable iPhone might start at around $2,300 (roughly Rs 1,98,000) in the US. To put that into perspective, this would make it nearly twice as expensive as the iPhone 16 Pro Max, which starts at $1,199 (roughly Rs 1,03,000). For many, this price point could be a significant barrier, and analysts believe it might limit the device's sales volume. Long's prediction comes after a trip to Asia, where his team met with hardware manufacturers. He noted that there's growing talk within the supply chain about a foldable iPhone launching between late 2026 and early 2027. However, the high price could mean Apple will produce the device in limited quantities, at least initially. This isn't the first time we've heard about the foldable iPhone's potential

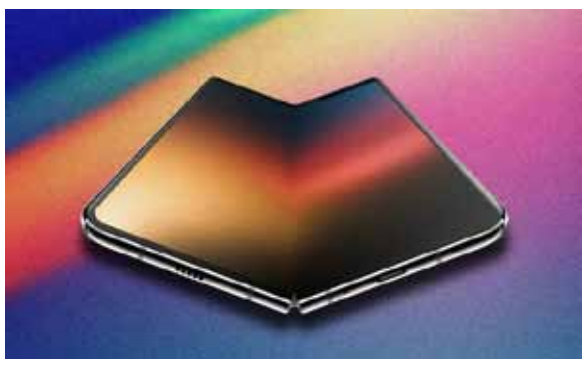

cost. Earlier this month, Apple supply chain analyst Ming-Chi Kuo also predicted that the device would be priced between $2,000 and $2,500. Despite the steep price, Kuo believes there could still be strong demand if Apple delivers a high-quality product. For instance, if the foldable iPhone features a nearly creaseless display, it could be a game-changer in the smartphone market. As for the design and specs, Kuo shared some interesting details. The foldable iPhone is expected to have a 7.8-inch inner display and a 5.5-inch outer screen. It might also include two rear cameras, one front-facing camera, and a side-mounted Touch ID sensor instead of Face ID. The device is rumoured to be incredibly thin, measuring just 4.5mm when unfolded and around 9mm when folded. In terms of build quality, the foldable iPhone could feature a titanium exterior, with the hinge made from a mix of titanium and stainless steel. This would make it both durable and lightweight. Additionally, the device is expected to come with a 5,000mAh battery. For comparison, Samsung's Galaxy Z Fold 6 starts at $1,899 (roughly Rs 1,63,000), while Google's Pixel 9 Pro Fold is priced at $1,799 (roughly Rs 1,55,000) in the US. Apple's foldable iPhone, if priced at $2,300, would be significantly more expensive than its competitors. It's worth noting that these details are still speculative, as Apple has not officially confirmed the existence of a foldable iPhone. With the device reportedly entering mass production in late 2026, there's still plenty of time for plans to change.

Illegal betting apps put top Telugu actors, celebs and influencers in ED spotlight

The Enforcement Directorate (ED) has decided to investigate endorsement of illegal betting apps by Tollywood actors and social media influencers. Sources indicate ED will soon register enforcement case information reports (ECIRs) and issue summons to the actors involved. The agency will initiate proceedings under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) based on the predicate offences recorded by police in Hyderabad and Visakhapatnam.

In Telangana, four cases have been registered in Miyapur, Panjagutta, Noothankal, and Cyberabad Cyber Crime police stations. Another case was registered with the Visakhapatnam Cyber Crime division. Investigations revealed heavy financial losses suffered by victims, allegedly due to the promotion of betting platforms by these celebrities. On Dec 11, 2024, Bandaru Venkatesh, a restaurant worker, lodged a complaint against YouTuber Kathira Harsha Sai. He claimed to have lost Rs 13,67,300 by investing in betting platforms like Parimatch and Lotus 365 after following links shared by Sai. He alleged that Sai falsely portrayed these platforms as legal and misled followers with fabricated winning claims. Following a media report exposing Sai's involvement, Venkatesh sought a probe into the influencer's financial transactions. On March 5, 2025, a police constable, Manoj Kumar, lodged a complaint against YouTuber Bayya Sandeep@ Sunny Yadav for promoting betting apps. The complaint highlighted that Sunny Yadav used social media, including Instagram, Facebook, YouTube, and Telegram, to promote betting apps and mislead the youth. His promotions promised easy money through minimal investments. Police investigation suggested that youth influenced by his videos faced financial losses, and in some cases, suicides were linked to these activities. On March 17, 2025, Vinay Vangala, a private employee, filed a complaint in Miyapur regarding widespread betting app promotions.

2 men arrested for vandalising Himachal bus

Agency: Police have arrested the two men involved in the vandalism of a Himachal Road Transport Corporation bus at Kharar on March 18. Rupnagar resident Hardeep Singh and Fazilka resident Gagandeep Singh had been living in Mohali for some time and were arrested from there, police said. Both are around 30 years of age. One of them is a taxi driver and the other an auto-rickshaw driver. Police have also recovered the car used in the incident Kharar DSP Karan Singh Sandhu said, "The two have been arrested under the Prevention of Damage to Public Property Act.

> "The best way to predict the future is to create it
>
> Peter Drucker

- 1739: Nadir Shah's army massacred people in Delhi, the Mughal capital.
- 1890: Ramchandra Chatterjee became the first Indian to descend using a parachute.
- 1942: During World War II, the Japanese navy and air force landed in Port Blair.
- 1947: Lord Mountbatten arrived in India as the last Viceroy.
- 1964: The first vintage car rally was organized in Calcutta.
- 1969: Indian Petrochemicals Corporation Limited was inaugurated.
- 1977: After a resounding defeat of the Congress in the general elections following the Emergency, Prime Minister Indira Gandhi submitted her resignation to the President.
- 1993: World Water Day was observed for the first time.
- 1995: Russian cosmonaut Valery Polyakov embarked on his return to Earth after a record-breaking 14.5-month space journey.
- 1999: Indian filmmaker Shekhar Kapur's movie Elizabeth won the Oscar for Best Makeup.
- Jordan's King Abdullah officially named his wife, Princess Rania, as Queen.
- 2003: The Pakistan government postponed the SAFF Championship due to the U.S. attack on Iraq.
- Coalition forces captured the city of Nasiriyah along the Euphrates River and besieged Basra, continuing their advance in southern Iraq.
- 2005: Hifikepunye Pohamba took the oath as President of Namibia.
- 2007: Pakistan tested the Hatf-7 missile.
- 2010: A 14-member committee formed by the Kerala government confirmed environmental damage caused by Coca-Cola's plant in Palakkad
- 2020: Prime Minister Narendra Modi announced a "Janata Curfew" in response to the COVID-19 pandemic.